संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 89 गुरूवार 30 जनवरी 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महाकुंभ में मची भगदड़ में कई लोगों की मौत

» अखाड़ा मार्ग पर भीड़ बढ़ने की वजह से मेले में मची भगदड़

» भीड़ बढ़ने से बैरिकेड टूटने के बाद भीड़ ने कई लोगों को कुचला

नई दिल्ली,29 जनवरी 2025 (ए)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ मेले में मंगलवार की देर रात हुई भगदड़ में 30 लोगों की मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि अखाड़ा मार्ग भगदड़ भीड़ बढ़ने की वजह से हुई। भीड़ बढ़ने के कारण बैरिकेड टूट गया। इस वजह से बैरिकेड के आसपास सोए हुए लोगों पर भीड़ चढ़ गई। ऐसे में करीब 90 लोग घायल हो गए। हादसे में मारे गए 30 लोगों में से 25 लोगों की पहचान हो गई है। डीआईजी वैभव कृष्ण ने कहा कि हादसे में 30 लोगों की मौत और 60 लोग घायल हुए हैं। राज्य सरकार ने हादसे में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के परिजनों के 25 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की है।

कैसे हुआ हादसा?

प्रशासन ने बताया कि ब्रह्म मुहूर्त से पूर्व प्रातः एक बजे से 2 बजे के बीच मेला क्षेत्र में अखाड़ा मार्ग पर भारी भीड़ का दबाव बना। भीड़ के दबाव के कारण दूसरी ओर के बैरीकेड्स टूट गए और लोग बैरीकेड्स लांघकर दूसरी तरफ आ गए और ब्रह्म मुहूर्त पर स्नान का इंतजार कर रहे श्रद्धालुओं को कुचलना शुरू कर दिया।

कर्नाटक,असम के लोग भी शामिल

डीआईजी वैभव कृष्ण ने कहा कि हादसे में मरने वाले 30 में 25 लोगों की पहचान हो गई है। मरने वालों में कर्नाटक, गुजरात से लेकर असम के लोग शामिल हैं। हालांकि, अभी भी कई लोग लापता है। कई लोगों को परिजन अपनों को तलाश रहे हैं। कई लोग अभी भी अस्पताल के बारे में पूछताछ कर रहे हैं। पुलिस ने कहा कि 36 लोगों का स्थानीय मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। फिलहाल स्थिति सामान्य है। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने सभी महामंडलेश्वर, संतों, अखाड़ों से अनुरोध किया है कि वे कुछ देरी से पवित्र स्नान करें...अखाड़ों का अमृत स्नान सुरक्षित रूप से संपन्न हो गया है।

महाकुंभ की घटना पर आया पीएम मोदी का पहला रिएक्शन,पोस्ट कर लिखी ये बात

मौनी अमावस्या के अवसर पर महाकुंभ में सुबह-सुबह भगदड़ मच गई, जिसमें कई लोग घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार कम से कम 15 शवों को अस्पताल लाया गया है। मौनी अमावस्या पर अमृत स्नान

महाकुंभ का सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान है और इसमें लगभग 10 करोड़ तीर्थयात्रियों के आने की उम्मीद है।इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, प्रयागराज महाकुंभ में जो दुर्घटना हुई, वह अत्यंत दुखद है। जिन श्रद्धालुओं ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।उन्होंने आगे कहा कि स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद करने में लगा हुआ है। इस संबंध में मैंने मुख्यमंत्री योगी जी से बात की है और मैं लगातार राज्य सरकार के संपर्क में हूं।

महत्वपूर्ण खबर

इसरो ने अपना 100वां मिशन लॉन्च कर अंतरिक्ष में रचा इतिहास

जीएसएलव्ही-एफ-15 रॉकेट का सफल प्रक्षेपण

श्रीहरिकोटा,29 जनवरी 2025 (ए)। 29 जनवरी बुधवार का दिन इसरो के लिए खास रहा। अब से कुछ समय पहले भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन अपने 100वें उपग्रह का प्रक्षेपण (लॉन्च) किया है। इसरो ने श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से आज रॉकेट लॉचिंग का शतक लगा दिया है। आज इसरो ने जीएसएएलव्ही-एफ 15 रॉकेट के जरिए नेविगेशन सैटेलाइट को लॉन्च किया। इसमें नाविक के तहत दूसरी पीढ़ी के पांच उपग्रह शामिल हैं।

31 जनवरी से होगी बजट सत्र की शुरुआत

पहले दिन दोनों सदनों को संबोधित करेंगी राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली,29 जनवरी 2025 (ए)। संसद का बजट सत्र 31 जनवरी 2025 से शुरू होगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार यानी 31 जनवरी को संसद के दोनों सदनों को संबोधित करेंगी। संसद के बजट सत्र का पहला भाग 31 जनवरी 2025 को शुरू होगा और 13 फरवरी को समाप्त होगा।

बैंक के फाइन पर अब नहीं लगेगा जीएसटी

सीबीआईसी ने जारी किया स्पष्टीकरण

नई दिल्ली,29 जनवरी 2025 (ए)। बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा लगाए गए दंड पर अब जीएसटी लागू नहीं होगा. केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड ने घोषणा की है कि बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा लगाए जाने वाले दंडात्मक शुल्क पर माल एवं सेवा कर नहीं लगेगा

बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान ने किया दावा

हत्या के दिन पिता ने डायरी में लिखा था भाजपा नेता मोहित कंबोज का नाम

मुंबई,29 जनवरी 2025 (ए)। बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी ने अपने पिता की डायरी के हवाले से बड़ा दावा किया है। जीशान ने अपने बयान में कहा कि हत्या के दिन मेरे पिता ने डायरी में भाजपा नेता मोहित कंबोज का नाम लिखा था। दरअसल, जीशान सिद्दीकी ने पुलिस को दिए अपने बयान में खुलासा किया कि उनके पिता बाबा सिद्दीकी रोजाना डायरी लिखा करते थे और उसी डायरी में जो आखिरी नाम है, वह मोहित कंबोज का है।

महाकुंभ में ही और भगदड़ पर जिलों में अफसर अलर्ट

हाइवे पर रोके गए श्रद्धालुओं के वाहन

यूपी के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर रात में भगदड़ और वहां मौजूद करोडों की भीड़ से हालात फिर न बिगड़े इसको लेकर कई जिलों की सीमाओं पर श्रद्धालुओं के वाहनों को रोका जा रहा है। हाइवे पर मौजूद श्रद्धालुओं के वाहनों को कहीं लम्बे ठहराव के बाद जाने की अनुमति दी गई तो कहीं इजाजत ही नही मिली। मिर्जापुर, अमेठी, वाराणसी व इटावा जिले में पुलिस और प्रशासन की टीमें हाइवे पर डटी हैं। टोल प्लाजा पर एनाउंसमेंट किया जा रहा है। फिलहाल जाम में फंसे श्रद्धालुओं का हाल बेहाल है। इनसे कहा गया है कि महाकुंभ मेला प्रशासन की अनुमति के बाद ही आवागमन की अनुमति दी जाएगी।

सहजीपुर व रामगंज में सैकड़ों वाहन फंसे

अमेठी: दूसरे जिले से अमेठी आने वाली गाड़ियों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। अमेठी के रास्ते प्रयागराज की तरफ जाने वाली सैकड़ो गाड़ियां सहजीपुर और अयोध्या प्रयागराज हाइवे स्थित रामगंज में फंसी हुई है। दोनो जगहों पर स्थानीय पुलिस के अलावा पड़ोसी जिले की भी पुलिस तैनात है। अपर

जिलाधिकारी नरेंद्र कुमार ने बताया कि प्रयागराज की तरफ जाने वालों का मार्ग परिवर्तित किया गया है अन्य किसी प्रकार का आवागमन प्रभावित नहीं है।

अफसर कर रहे यात्रा स्थगित करने की अपील

मिर्ज़ापुर: जनपद से लगने वाली प्रयागराज की सीमा पर सतर्कता और सुरक्षा बढ़ा दी गई है। जिले में 14 स्थान पर वाहनों को रोका जा रहा है। प्रयागराज की ओर जाने वाले जनपद की सीमा जिगना में विशेष बैरिकेडिंग कर वाहनों को रोका जा रहा है, ताकि प्रयागराज की तरफ भीड़ न बढ़ने पाएं, इसी प्रकार अन्य मार्गों पर भी नजर रखी जा रही है। प्रयागराज की ओर जाने वाले लोगों से अपील की जा रही है कि वह कुछ दिनों के लिए अपनी यात्रा को स्थगित कर दें ताकि भीड़ का दबाव कम हो सके और सुगमता पूर्वक स्नान ध्यान किया जा सके।

रेलवे स्टेशन पर डीएम एसपी ने संभाला मोर्चा

इटावा: प्रयागराज जाने के लिए भारी संख्या में यात्री देर रात रेलवे स्टेशन पर पहुंचे। कई ट्रेनों के दरवाजे अंदर से बंद मिले जिसकी वजह से यात्री ट्रेन के अंदर दाखिल नहीं हो सके। तो वहीं कई ऐसी ट्रेन थी जिनमे पैर रखने तक की जगह नहीं थी।

जिलाधिकारी अवनीश कुमार राय और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार को हुई तो वह अपनी टीम के साथ रेलवे स्टेशन पर पहुंच गए जहां पर खुद मोर्चा संभाला।

भीड़ प्रबंधन में अफसरों ने ताकत झोंकी

वाराणसी:मंगलवार आधी रात के बाद से तड़के तक अफसर भारी फोर्स के साथ गंगाघाटों, दशाश्वमेध, गोदौलिया, बांसफाटक, चौक, ज्ञानवापी क्रासिंग और काशी विश्वनाथ धाम में तैनात रहे। पूरी रात अफसरों ने भीड़ प्रबंधन करने के साथ श्रद्धालुओं के साथ संवाद भी बनाए रखा। कमिश्नर मोहित अग्रवाल खुद सड़कों पर उतरकर मॉनिटरिंग कर रहे हैं। गंगा घाटों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया।महाकुम्भ के दौरान काशी में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए यातायात विभाग ने एक एडवाइजरी जारी की है। इसमें शहर के कुछ हिस्सों में यातायात प्रतिबंध लगाया गया है और श्रद्धालुओं को वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने के लिए कहा गया है।

राष्ट्रपति ने भी जताया दुख

उन्होंने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ की घटना अत्यंत दुखद है। मैं हताहत हुए श्रद्धालुओं के परिवारजनों के प्रति शोक-संवेदना व्यक्त करती हूं और ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि घायल हुए सभी श्रद्धालु शीघ्र ही स्वस्थ हों।

अफवाहों पर ना दें ध्यान-सीएम योगी

महाकुम्भ-2025, प्रयागराज आए प्रिय श्रद्धालुओं, माँ गंगा के जिस घाट के आप समीप हैं, वहीं स्नान करें, संगम नोज की ओर जाने का प्रयास न करें। आप सभी प्रशासन के निर्देशों का अनुपालन करें, व्यवस्था बनाने में सहयोग करें। संगम के सभी घाटों पर शांतिपूर्वक स्नान हो रहा है। किसी भी अफवाह पर बिल्कुल भी ध्यान न दें।

छत्तीसगढ़ के सीएम ने भी की अपील

इस घटना पर सीएम विष्णुदेव साय ने ट् वीट कर कहा, महाकुंभ में घटित भगदड़ की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में कई

श्रद्धालुओं के निधन और घायल होने की खबर अत्यंत दुःखद है। ईश्वर से दिवंगतों की आत्मा की शांति एवं घायल श्रद्धालुओं के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। सीएम साय ने सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि संयम बनाए रखें और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का अनुपालन करें। मां गंगा के जिस घाट के समीप हैं, वहीं पुण्य स्नान करें।

व्हीआईपी मूवमेंट के चलते बनी भगदड़ की स्थिति

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज महाकुंभ में मौनी अमावस्या के अवसर पर देर रात संगम नोज पर अचानक भगदड़ मच गई। हादसा संगम नोज पर 11 से 17 नंबर पोल के बीच हुआ, जहां भगदड़ मचने से कई लोग घायल हो गए और कुछ अपने परिवारों से भी बिछड़ गए। भगदड़ में 10 लोगों की मौत की खबर है। महाकुंभ में मची भगदड़ के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने श्रद्धालुओं से अफवाह पर ध्यान न देने और संयम से काम लेने की बात कही है। वहीं, महाकुंभ हादसे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दुख जताया है।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पोस्ट कर कहा कि, 'प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ के कारण कई लोगों के मौत और कईयों के घायल होने की ख़बर अत्यंत दुखद है। शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की आशा करता हूं। इस दुखद घटना के लिए कुप्रबंधन, बदइंतजामी और आम श्रद्धालुओं की जगहव्हीआईपी मूवमेंट पर प्रशासन का विशेष ध्यान होना जिम्मेदार है।

भगदड़ से कई लोगों की मौत

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का ट्वीट

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज एक ट्वीट में कहा, महाकुंभ के दौरान, तीर्थराज संगम के तट पर हुई भगदड़ में कई लोगों की मौत और अनेक लोगों के घायल होने की खबर बेहद हृदय विदारक है। हमारी गहरी संवेदनाएं श्रद्धालुओं के परिवारों के प्रति हैं और हम घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हैं।उन्होंने आगे कहा, हमारे कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अनुरोध है कि वे पीड़ितों को संभव सहायता प्रदान करें।

महाकुंभ में भगदड़ से मौतों पर भावुक हुए महामंडलेश्वर प्रेमानंद पुरी

» सेना के हवाले करने की बात कही

महाकुंभ में हुई भगदड़ और उससे हुई मौतों पर पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के महामंडलेश्वर प्रेमानंद पुरी भावुक हो उठे। उन्होंने कहा, हमने पहले ही सुझाव दिया था कि कुंभ की सुरक्षा सेना के हवाले की जाए, लेकिन हमारी बात को अनसुना कर दिया गया।

प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़: 14 की मौत, 50 से अधिक घायल,सीएम योगी ने ली आपात बैठक

प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान मंगलवार देर रात भगदड़ मच गई, जिसमें 14 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 50 से अधिक लोग घायल हो गए। यह घटना संगम तट पर करीब डेढ़ बजे घटी, जब अफवाह फैलने के कारण श्रद्धालुओं में अफरातफरी मच गई। भगदड़ के पीछे मुख्य कारण अफवाह बताया जा रहा है, जिससे श्रद्धालु घबरा गए और भीड़ अनियंत्रित हो गई। अफरातफरी के दौरान कई महिलाएं गिर गईं और भगदड़ में कुचलने से उनकी मौत हो गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने एनएसजी कमांडो को तैनात किया और संगम नोज इलाके में आम लोगों की एंट्री पर रोक लगा दी गई।

महाकुंभ की व्यवस्थाओं पर उठे सवाल

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रयागराज में

महाकुंभ के दौरान भगदड़ और अव्यवस्था को लेकर योगी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं और संत समाज का प्रशासन पर पुनर्विश्वास बहाल करने के लिए महाकुंभ का प्रबंधन तत्काल सेना को सौंप देना चाहिए।

मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर में ड्रेस कोड लागू

» छोटे या भड़काऊ कपड़े पहनकर प्रवेश नहीं मिलेगा

मुंबई,29 जनवरी 2025 (ए)। प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में अगले सप्ताह से श्रद्धालुओं के लिए नया ड्रेस कोड लागू किया जाएगा। मंगलवार, 28 जनवरी 2025 को श्री सिद्धिविनायक गणपति मंदिर ट्रस्ट ने यह घोषणा की कि छोटे स्कर्ट या भड़काऊ कपड़े पहनने वाले भक्तों को मंदिर में प्रवेश नहीं मिलेगा। ट्रस्ट ने कहा कि श्रद्धालुओं को शालीन और शरीर को पूरी तरह ढकने वाले कपड़े पहनने होंगे, जिसमें भारतीय परिधान को प्राथमिकता दी जाएगी। यह निर्णय कई शिकायतों के बाद लिया गया, जिनमें मंदिर परिसर में अनुचित कपड़ों के कारण अन्य श्रद्धालुओं को असुविधा होने की बात कही गई थी। अगले सप्ताह से, भड़काऊ या अनुचित कपड़े पहनने वाले भक्तों को प्रभादेवी स्थित सिद्धिविनायक मंदिर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी,÷ ट्रस्ट ने अपने आधिकारिक बयान में कहा।

ड्रेस कोड के तहत इन कपड़ों पर रोक

कटी-फटी या फटी हुई जींस छोटे स्कर्ट ऐसे कपड़े जो शरीर के कुछ हिस्सों को उजागर करते हों मंदिर ट्रस्ट ने कहा कि सिद्धिविनायक मंदिर हर दिन हजारों श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है और कई भक्तों ने कपड़ों को लेकर अपनी असहमति और असुविधा व्यक्त की थी।

लगातार मिल रही शिकायतों के बाद, मंदिर की पवित्रता बनाए रखने के लिए यह ड्रेस कोड लागू करने का निर्णय लिया गया है, ट्रस्ट ने अपने बयान में स्पष्ट किया। ट्रस्ट ने यह भी कहा कि यह नया नियम सभी श्रद्धालुओं के आरामदायक और शांतिपूर्ण अनुभव को सुनिश्चित करने और मंदिर परिसर में अनुशासन बनाए रखने के लिए लागू किया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट से क्यों वापस ली गई याचिका?

कोलकाता,29 जनवरी 2025 (ए)। कोलकाता के आरजी कर हॉस्पिटल में ट्रेनी डॉक्टर की रेप के बाद हत्या के मामले में पीड़िता के माता-पिता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दोबारा जांच की मांग की थी। लेकिन जब मामला सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हुआ, तो उन्होंने अपनी याचिका वापस ले ली। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए चेतावनी भी दी।

संपादकीय

जातीय जनगणना की मांग

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जातीय जनगणना कराए जाने की मांग को दोहराते हुए कहा कि उनकी पार्टी सत्ता में आने के बाद किसी भी कीमत जातीय जनगणना करवा कर रहेगी।पटना में संविधान सुरक्षा सम्मेलन' को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कि इस बाबत उन्होंने संसद में भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में स्पष्ट कहा है कि संविधान को कमजोर करने और हाशिए पर पड़े समुदायों की अनदेखी नहीं करने दी जा सकती।राहुल आरोप लगा चुके हैं कि भाजपा और आरएसएस यह कृत्य कर रहे हैं। यह भी आरोप लगा चुके हैं कि संघ प्रमुख मोहन भागवत का सच्ची आजादी' वाला बयान देश के संविधान के खिलाफ है'। बेशक, आर्थिक प्रगति में समाज के हर हिस्से की भागीदारी होना जरूरी है। इसी से समावेशी समाज की परिकल्पना मूर्ताकार हो सकती है, लेकिन हकीकत यह है कि समाज का एक बड़ा हिस्सा प्रगति में हिस्सेदार नहीं बन सका है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने भी इस तरफ ध्यान दिलाया है। दलितों, अल्पसंख्यकों और सामाजिक रूप से हाशिए पर रह रहे समुदायों की आबादी देश की कुल जनसंख्या का नब्बे फीसद हैं, लेकिन वे व्यवस्था का हिस्सा नहीं हैं..यही कारण है कि हम जातीय जनगणना की मांग कर रहे हैं' यह ध्यान दिलाते हुए राहुल ने बिहार में की गई जाति आधारित गणना को फर्जी' करार दिया।कहा कि यह लोगों को बेवकूफ बनाने वाली है।' ऐसा है तो राहुल को सबसे पहले कांग्रेस शासित राज्यों और कांग्रेस के गठबंधन वाली सरकार शासित राज्य में भी जाति आधारित जनगणना कराई जानी चाहिए।बिहार में जातीय गणना की गई थी न कि जातीय जनगणना, लेकिन इस तकनीकी पचड़े में न भी पड़ें तो इतना तो साफ है कि जातियों और समुदायों की वास्तविक संख्या का आंकड़ा न होने पर उनके लिए कल्याणकारी कार्यक्रम और योजनाओं का क्रियान्वयन बेमानी रहता है, और ऐसा होता भी रहा है।शायद यह भी कारण रहा देश की संपत्ति में इन जातीय समूहों की हिस्सेदारी का आकलन आज भी हमारे पास नहीं है। कहना न होगा कि जातीय गणना या जातीय जनगणना-भले ही जो भी कहें-से ही हमें उन समूहों की सटीक संख्या मिल सकेगी जिन्हें लक्षित करके योजनाएं बनाकर क्रियान्वित की जा सकेंगी। समावेशी विकास तभी सुनिश्चित हो सकेगा।

अमेरिका की फंडिंग बन्द होने से बीमार होता विश्व स्वास्थ्य संगठन

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

डब्ल्यूएचओ,जिसके लिए यह 1948 में अपनी स्थापना के बाद से जाना जाता है, अमेरिका के हटने के परिणामस्वरूप निम्न-गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान करेगा। सार्वजनिक स्वास्थ्य हलकों के अनुसार, भारत को महामारी की तैयारी, टीबी, एड्स, रोगजनक और एंटीबायोटिक प्रतिरोध निगरानी, अन्य कार्यक्रमों में अधिक निवेश करने के लिए तैयार रहना चाहिए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि वह विश्व स्वास्थ्य संगठन से अमेरिका को अलग कर रहे हैं। यह एक बड़ा कदम है, क्योंकि पदभार संभालने के पहले ही दिन उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी के साथ अपने संबंध समाप्त कर लिए हैं। व्हाइट हाउस में आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए ट्रंप ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के साथ डब्ल्यूएचओ पक्षपात कर रहा है। यहां चीन को तवज्जो दी जा रही है। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हमें ठगा है।विश्व स्वास्थ्य संगठन को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2020 में कई कारणों से भंग कर दिया था, जिसमें कोविड-19 महामारी का कथित खराब प्रबंधन, राजनीतिक स्वतंत्रता की कमी, सुधारों को लागू करने में विफलता और अमेरिका पर अनुचित रूप से भारी वित्तीय मांगें शामिल हैं।

यू.एस. विश्व स्वास्थ्य संगठन की वित्तीय स्थिति वापसी के कारण तनावपूर्ण है। यू.एस. विश्व स्वास्थ्य संगठन के बजट का सबसे बड़ा दाता था, जो 2023 में स्वैच्छिक योगदान का 13 प्रतिशत और मूल्यांकन किए गए योगदान का 22.5 प्रतिशत था। फंडिंग के अचानक बंद होने से एक बड़ा संसाधन अंतराल पैदा हुआ, जिससे महत्त्वपूर्ण स्वास्थ्य पहलों को ख़तरा हुआ, खासकर निम्न और मध्यम आय वाले देशों (कम और मध्यम आय वाले देशों) में। यू.एस. ने रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) जैसे संगठनों के माध्यम से विश्व स्वास्थ्य संगठन समितियों को वैज्ञानिक ज्ञान का योगदान दिया, जिसमें एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। वापसी ने वैश्विक निगरानी और महामारी की तैयारी के लिए आवश्यक साझेदारियों को तोड़ दिया। महामारी की तैयारी, निष्पक्ष टीका वितरण और प्रतिक्रिया समन्वय के लिए एक एकल विश्वव्यापी ढांचा बनाने के अमेरिका के प्रयासों को विश्व स्वास्थ्य संगठन के नेतृत्व वाली महामारी संधि वार्ता से बाहर निकलने के फैसले से बाधा पहुँची। क्योंकि वापसी ने राष्ट्रीय हितों को अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता से आगे रखा, इसने बहुपक्षवाद को कमजोर किया। अन्य देश भी ऐसा ही कर सकते हैं, जिससे विश्व स्वास्थ्य संगठन जैसे वैश्विक संगठनों में विश्वास कम हो सकता है। वैश्विक स्वास्थ्य शासन का पहला प्रभाव शक्ति संतुलन में बदलाव है। अमेरिका के बाहर निकलने से चीन और वैश्विक दक्षिण को अंतर को भरने का मौका मिला। जैसे-जैसे चीन ने अपने संसाधनों और प्रभाव का विस्तार किया, भारत जैसे देश निम्न और मध्यम आय वाले देशों के बारे में अधिक मुखर हो गए और निष्पक्ष स्वास्थ्य नीतियों को बढ़ावा दिया। निम्न और मध्यम आय वाले देशों में कमजोर आबादी विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीकाकरण कार्यक्रमों और रोग उन्मूलन पहलों का समर्थन करने की कम क्षमता से असमान रूप से प्रभावित हुई थी। यू.एस.-विश्व स्वास्थ्य संगठन साझेदारी की समाप्ति ने महत्त्वपूर्ण अनुसंधान और नवाचारों के प्रसार में देरी की और अंतरराष्ट्रीय महामारी निगरानी नेटवर्क में हस्तक्षेप किया। भारत और अन्य वैश्विक दक्षिण देशों के लिए वैश्विक स्वास्थ्य शासन के पुनर्गठन पर अधिक प्रभाव डालने का एक मौका है। वैक्सीन कूटनीति और समग्र स्वास्थ्य पहलों में अपने नेतृत्व के कारण भारत एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थित है। हालांकि, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा छोड़ी गई नेतृत्व की भूमिका को संभालने की उनकी क्षमता संसाधनों की कमी और परस्पर विरोधी प्राथमिकताओं, जैसे क्षेत्रीय संघर्षों से बाधित है।

जब तक सरकार अनुमति देती है, विश्व स्वास्थ्य संगठन राष्ट्रीय स्वास्थ्य पहलों में भाग लेता है। इसके अतिरिक्त, यह भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे कई स्वास्थ्य पहलों के साथ सहयोग करता है और उनका समर्थन करता है, जिनमें एचआईवी, मलेरिया, तपेदिक, उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग (एनटीडी), रोगाणुरोधी प्रतिरोध और बहुत कुछ शामिल हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन भारत के टीकाकरण कार्यक्रम के लिए महत्वपूर्ण है; विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीमें वैक्सीन कवरेज पर भी नज़र रखती हैं। यदि अमेरिकी फंडिंग बंद हो जाती है, तो विश्व स्वास्थ्य संगठन भारत सहित इन पहलों को पूरा करने में असमर्थ होगा। अमेरिका अब अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभाएगा। आज, संयुक्त राज्य अमेरिका सार्वजनिक स्वास्थ्य कूटनीति का उपयोग यह प्रभावित करने के लिए करता है कि बाकी दुनिया लोगों के स्वास्थ्य के प्रति कैसे प्रतिक्रिया करती है और उसे कैसे सुरक्षित रखती है। अल्बानिया, बुल्गारिया, बेलारूस, चेकोस्लोवाकिया, हंगरी, रोमानिया और यूक्रेन के साथ-साथ सोवियत संघ सहित कई पूर्वी यूरोपीय देशों ने 1949 में विश्व स्वास्थ्य संगठन से हटने का इरादा घोषित किया। इन देशों ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रयासों और उन पर अमेरिका के प्रभाव के प्रति अपनी नाराजगी व्यक्त की।यू.एस. वैश्विक स्वास्थ्य के शासन में एक महत्त्वपूर्ण क्षण ट्रम्प के विश्व स्वास्थ्य संगठन से हटने से चिह्नित किया गया था वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य सुरक्षा और लचीलेपन की गारंटी देने के लिए, भारत और ग्लोबल साउथ के अन्य सदस्यों जैसे देशों को इन मुद्दों को हल करने और एक निष्पक्ष और सहयोगी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए पहल करनी चाहिए। अमेरिका को वापस लाना। वैश्विक स्वास्थ्य के शासन में स्थिरता और विश्वास बहाल करना अभी भी भागीदारी पर निर्भर करता है। संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए विदाई देना क्यों महत्वपूर्ण है? सबसे पहले, ट्रम्प सही हैं: संयुक्त राज्य अमेरिका विश्व स्वास्थ्य संगठन (विश्व स्वास्थ्य संगठन) का सबसे बड़ा वित्तीय समर्थक है, जो इसके कुल वित्त पोषण का लगभग 18 प्रतिशत प्रदान करता है। इन फंडों को वापस लेने से कई वैश्विक स्वास्थ्य पहलों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा, जैसे कि तपेदिक, एचआईवी/एड्स और कुछ संक्रामक रोगों के उन्मूलन के प्रयास। विश्व स्वास्थ्य संगठन रोग के प्रकोप को रोकने और पता लगाने, मजबूत स्वास्थ्य प्रणालियों का निर्माण करने और यह गारंटी देने के लिए भी काम करता है कि दुनिया में हर किसी के पास जीवन रक्षक दवाओं तक उचित पहुंच हो।

ट्रम्प की झुंझलाहट से यह स्पष्ट है कि सख्त आसन और भौतिक सीमाएं रोगाणुओं को किसी के क्षेत्र से बाहर नहीं रख सकती हैं और वैश्विक स्वास्थ्य प्रयास शून्य में काम नहीं करते हैं। कोविड-19 महामारी ने हमें सिखाया कि जब तक सभी सुरक्षित नहीं हैं, तब तक कोई भी सुरक्षित नहीं है इस उम्मीद में कि वह अपना मन बदल लेगा और फिर से उनके साथ जुड़ जाएगा, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अमेरिका से संपर्क किया है। यह सुनने में भले ही कितना भी अद्भुत लगे, लेकिन वैज्ञानिक चमत्कारों ने चिकित्सा क्षेत्र को भी प्रभावित किया है, और चिकित्सा समुदाय को उम्मीद है कि एक और चमत्कार संयुक्त राज्य अमेरिका को विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ फिर से जोड़ देगा।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

लकड़ी से गढ़ी कलाःछत्तीसगढ़ का नाम रोशन करने वाले पद्मश्री पंडीराम मण्डावी

त्रिभुवन लाल साहू
बोड़सरा जाँजगीर छत्तीसगढ़

नारायणपुर जिले की गोंड-मुरिया जनजाति से ताल्लुक रखने वाले पंडीराम मंडावी को पद्मश्री पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया। उन्होंने बस्तर की पारंपरिक काष्ठ शिल्पकला को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई है।

कला का सफर

पंडीराम मंडावी ने बचपन में अपने पिता स्वर्गीय मंदेर मंडावी से शिल्पकला की बारीकियां सीखीं। बस्तर की बांसुरी 'सुलुर' और लकड़ी पर उकेरी गई आकृतियां उनकी विशेषता हैं, जो बस्तर की लोककथाओं और परंपराओं को जीवंत करती हैं।

विश्व मंच पर बस्तर की पहचान

पंडीराम की कला ने जापान, इटली, फ्रांस, और जर्मनी जैसे देशों में बस्तर की माटी की खुशबू पहुंचाई। उनकी कृति मृतक स्तंभ, जो बस्तर की प्राचीन आदिवासी संस्कृति पर आधारित है, 2016 में इंग्लैंड के कैंब्रिज विश्वविद्यालय संग्रहालय में प्रदर्शित की गई।

सम्मान और योगदान

कला के प्रति उनके समर्पण को केरल की ललित कला अकादमी ने जे. स्वामीनाथन पुरस्कार से और छत्तीसगढ़ सरकार ने शिल्प गुरु की उपाधि से सम्मानित किया। उन्होंने 1,000 से अधिक युवाओं को शिल्पकला का प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनने में मदद की है।

गर्व का क्षण

पंडीराम प्रसिद्ध टाइगर ब्रॉय चेंदरू मंडावी के छोटे भाई हैं, जिन्होंने हॉलीवुड फिल्म से बस्तर का नाम रोशन किया था। उनके बेटे बलदेव मंडावी गर्व से कहते हैं, हमारे पिता की मेहनत ने बस्तर को वैश्विक पहचान दिलाई।

पद्मश्री का सम्मान

पंडीराम मंडावी को काष्ठ शिल्प और पारंपरिक वाद्य यंत्र निर्माण में उनके योगदान के लिए पद्मश्री 2025 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान बस्तर की सांस्कृतिक धरोहर का गौरव है।

महाकुंभ से निखरा हिन्दुत्व और बढ़ा योगी की सियासी कद

अजय कुमार
लखनऊ,उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश आजकल महाकुंभमय हो रखा है। हर तरफ एक जैसा नजारा है। कोई महाकुंभ में डुबकी लगाकर अपने आप में धन्य महसूस कर रहा है तो कोई डुबकी लगाने के लिये आतुर है, जिसको जैसा मौका मिल रहा है वह उस हिसाब से संगम नगरी प्रयागराज की तरफ प्रस्थान कर रहा है। प्रयागराज में साधू-संतो का तो जमावाड़ा है ही यहा पहुंचनें वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा भी लगातार बढ़ता जा रहा है,जो श्रद्धालू महाकुंभ पहुंचते हैं वह वाराणसी में बाबा विश्वनाथ और अयोध्या में रामलला के दर्शन करने का भी पुण्य कमा लेने का मौका नहीं छोड़ते हैं। महाकुंभ के अंतिम स्नान तक प्रदेश की आबादी से दोगुना श्रद्धालु प्रयागराज पहुंच चुके होंगे। यह विश्व रिकार्ड है,जो यदि कभी टूटेगा भी तो किसी कुंभ में ही टूटेगा। हाल यह है महाकुंभ की व्यवस्था देखने और इस आयोजन को शांतिपूर्वक सम्पन्न कराने के लिये योगी सरकार और शासन-प्रशासन सब के सब एक पैर पर खड़े नजर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तो महाकुंभ परिक्षेत्र में पत्ता भी हिलता है तो एलर्ट मोड में आ जाते हैं। योगी की तो पूरी की पूरी कैबिनेट ही प्रयागराज पहुंच जाती है। सबसे खास बात यह है कि जितने भी श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं,वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से अधिक मुख्यमंत्री की तारीफ कर रहे हैं,जिसके राजनैतिक निहितार्थ भी कम नहीं हैं। आज की तारीख में हिंदुत्व के नजरिये से योगी बीजेपी के सबसे लोकप्रिय नेता बन गये हैं। इस मामले में उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी तक को पीछे छोड़ दिया है। सफल महाकुंभ में आग लगने की घटना और सबसे बड़े मौनी अमस्या के अमृत स्नान के दिन मची भगदड़ में करीब दस श्रद्धालुओं की मौत की घटना से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व्यथित भी दिखे,लेकिन जल्द ही सब कुछ सुचारू कर लिया गया और साधू संतों से लेकर आम श्रद्धालु तक आराम से स्नान करते दिखे।

महाकुंभ का मोह और इस दौरान संगम में डुबकी लगाने के लिये वह लोग तो व्याकुल हैं ही जो सनातन धर्म का पालन करते हैं,लेकिन इसके अलावा भी पूरी दुनिया से लोग महाकुंभ के आकर्षण में प्रयागराज खिचे चले आ रहे हैं। यह लोग सनातन के बारे में अधिक से अधिक जानने को व्याकुल हैं। सबसे खास बात यह है कि महाकुंभ की आस्था अखिलेश यादव जैसे उन नेताओं को भी यहां खींच लाई है जिनका योगी और बीजेपी से छत्तीस का आकड़ा रहता है,लेकिन इस मौके पर भी अखिलेश राजनीतिक बातें करने से नहीं चूके। उन्होंने कहा कि यह बड़ा आयोजन है। हमें याद है कि जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी, तब हमें कुंभ कराने का मौका मिला था। तब हमने कम संसाधन में इसे बेहतर तरीके से कराया था। यह बात तमाम स्टडी कहती हैं, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी भी कहती है।अपनी सरकार के समय सफल कुंभ का दावा करते हुए अखिलेश ने पूर्व नगर विकास मंत्री और 2013 में कुंभ के आयोजन की जिम्मेदारी संभालने वाले आजम खान की तारीफ भी की। अखिलेश ने कहा उन्होंने काफी सीमित संसाधनों के सहारे कुंभ का यादगार बनाया था। वहीं अखिलेश के संगम स्नान करने पर उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अखिलेश यादव देर आए दुरुस्त आए। हरिद्वार में गंगा स्नान और महाकुंभ स्नान के बाद उम्मीद है कि अब आस्था को चोट पहुंचाने वाले बयानों से बचेंगे। केशव ने कहा कि महाकुंभ की विशेषता अनेकता में एकता है। जो सपाई और कांग्रेसी अब भी महाकुंभ को लेकर मानसिक और दृष्टि दोष से ग्रसित हैं। वे इलाज कराएं या न कराएं पर महाकुंभ स्नान जरूर करें। इसके साथ ही कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। ओपी राजभर ने कहा कि कल तक कुंभ की निंदा करने वाले लोग आज कुंभ में जा रहे हैं। यह संविधान की देन है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने तो महाकुंभ में डुबकी लगाने के बाद यहां की व्यवस्था को लेकर योगी सरकार पर हमला बोला वहीं कांग्रेस ने तो महाकुंभ पर ही प्रश्न चिंह खड़ा कर दिया। औसत प्रतिदिन जब महाकुंभ में करीब 95 लाख लोग आस्था की डुबकी लगा रहे हैं. तब प्रयागराज से 925 किमी दूर, मध्य प्रदेश के महू यानी संविधान निर्माता डॉक्टर अंबेडकर की जन्मस्थली पर कांग्रेस की 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान रैली' में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने यहां तक कह दिया,'गंगा में डुबकी लगाने से क्या गरीबी दूर होती है, क्या भरपेट खाना मिलता है।' इस पर बुद्धीजीवियों का कहना है कि कांग्रेस को न तो हिन्दू धर्म रास आता है न यही दिखता है कि महाकुंभ से कैसे रोजगारों का सृजन हो रहा है।

दलित ओबीसी मतदाता बनाएंगे दिल्ली में सरकार

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू,राजस्थान

दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए वोट डालने में अब कुछ दिनों का समय ही शेष रह गया है। वहां चुनाव प्रचार पूरे शबाब पर है। सभी दलों के बड़े नेता अपनी-अपनी पार्टी प्रत्याशियों को जीताने के लिए जमकर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। पूरी दिल्ली में चुनावी चौसर बिछी हुई है। सट्टा बाजार में राजनीतिक दलों की हार-जीत के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। दिल्ली में किसकी सरकार बनेगी इसका पता तो 8 फरवरी को मतगणना के बाद ही चल पाएगा।

मगर दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार बड़ी कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। एक तरफ जहां सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) चौथी बार सरकार बनाने के प्रयास में लगी हुई है। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भी चाहती है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में उनकी पार्टी की सरकार बने ताकि केंद्र व राज्य का झगड़ा समाप्त हो। कहने को तो दिल्ली केंद्र शासित प्रदेश है। यहां की सरकार व मुख्यमंत्री के पास अन्य प्रदेशों की तरह पूरे अधिकार नहीं होते हैं। मगर दिल्ली का मुख्यमंत्री होना अपने आप में बड़ी बात है। दिल्ली से ही देश की सरकार चलती है। ऐसे में दिल्ली में जो सरकार बनती है उसके महत्व को नकारा नहीं जा सकता है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार दलित, जाट व गुर्जर मतदाताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होने जा रही है। दिल्ली में 12 विधानसभा सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। यहां करीबन 18 प्रतिशत दलित मतदाता है। दिल्ली की आरक्षित 12 सीटों के अलावा 18 और ऐसी विधानसभा सीटे हैं जहां दलित मतदाताओं की संख्या 15 प्रतिशत से अधिक है। ऐसे में दिल्ली की 30 विधानसभा सीटों पर दलित मतदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण रहने वाली है।

दिल्ली में बवाना, सुल्तानपुर माजरा, मंगोलपुरी, करोल बाग, पटेल नगर, मादीपुर, देवली, अंबेडकर नगर, त्रिलोकपुरी, कोंडली, सीमापुरी, गोकलपुर विधानसभा सीट को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित किया गया है। इसके अलावा करीबन 15 से 20 अन्य ऐसी सीटें है जहां दलित मतदाता निर्णायक भूमिका में रहते हैं। इसलिए दिल्ली विधानसभा की 70 में से करीबन 30 सीटों पर दलित मतदाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। 2020 के विधानसभा चुनाव में सभी 12 आरक्षित सीटों पर आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों ने चुनाव जीता था। इसलिए आम आदमी पार्टी का पूरा फोकस दलित मतदाताओं पर है। दिल्ली के अनुसूचित जाति के मतदाताओं में से 38 फीसदी जाटव और 21 फीसदी वाल्मीकि है।

पिछले लोकसभा चुनाव में अनुसूचित जाति के मतदाताओं के लिए देश भर में आरक्षित 84 लोकसभा सीटों में से भाजपा मात्र 30 सीट पर ही चुनाव जीत पाई थी। इंडिया गठबंधन के भाजपा द्वारा संविधान बदलने के नारे के कारण दलित मतदाता भाजपा से छिटककर विपक्षी खेमे में चले गए थे। इसी तरह दिल्ली में भी पिछले दो विधानसभा चुनाव में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सभी 12 सीटों पर आम आदमी पार्टी लगातार जीतती आ रही है। इसलिए अनुसूचित जाति के मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए भाजपा व कांग्रेस इस बार के चुनाव में पूरा जोर लगा रही है।

भाजपा ने 12 आरक्षित सीटों के अलावा दो सामान्य सीटों मटिया महल से दीप्ति इंदौरा व बल्लीमारन से कमल बागड़ी को उम्मीदवार बनाया है। इस तरह भाजपा ने कुल 14 सीटो पर दलित उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। वहीं कांग्रेस ने भी नरेला से अनुसूचित जाति की अरुणा कुमारी को टिकट देखकर कल 13 सीटों पर दलित प्रत्याशियों को मैदान में उतारा है। भाजपा व कांग्रेस की रणनीति है कि दलित मतदाताओं को आम आदमी पार्टी से दूर किया जाए। आम आदमी पार्टी ने 12 आरक्षित सीटों पर ही अनुसूचित जाति के प्रत्याशियों को टिकट दी है। हरियाणा व महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एक बार फिर दलित मतदाताओं का रुझान भाजपा की तरफ होने के चलते वहां भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की थी। इसी से उत्साहित होकर भाजपा अनुसूचित जाति के मतदाताओं की बहुलता वाली सीटों पर विशेष चुनावी प्रबंधन कर चुनावी रणनीति बना रही है।

दिल्ली में जाट मतदाताओं की बहुलता वाली 10 सीटों महरौली, मुंडका, रिठाला, नांगलोई, मटियाला, पालम, नरेला, विकासपुरी, नजफगढ़ व बिजवासन पर आम आदमी पार्टी का कब्जा है। इस बार भाजपा आम आदमी पार्टी से इन सभी 10 सीटों को छीन कर अपनी वापसी का प्रयास कर रही है। भाजपा ने इस बार करीबन 14 टिकट जाट नेताओं को दी है। जिनमें पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा नई दिल्ली से पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सामने चुनाव लड़ रहे हैं। वही आप सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे कैलाश गहलोत भी बीजेपी टिकट पर बिजवासन से चुनाव लड़ रहे हैं। कैलाश गहलोत के भाजपा में जाने से आप के पास कोई बड़ा जाट नेता नहीं रह गया है जो जाट मतदाताओं को आप पार्टी से जोड़े रख सके। जबकि भाजपा ने पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा को अरविंद केजरीवाल के सामने खड़ा कर दिल्ली के चुनाव को रोचक बना दिया है। दिल्ली में गुर्जर मतदाताओं की भी बड़ी संख्या है। इनके प्रभाव वाली छतरपुर, मुस्तफाबाद, तुगलकाबाद, घोंडा, गोकुलपुरी, ओखला पर आम आदमी पार्टी का कब्जा है। वहीं बदरपुर, करावल नगर व पालम पर भाजपा का कब्जा है।

दिल्ली के पूर्व सांसद व बड़े गुर्जर नेता रमेश बिधूड़ी को भाजपा ने मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना के खिलाफ चुनाव मैदान में उतार कर चुनाव को रोचक बना दिया हैाड्ड दिल्ली में मदनलाल खुराना व साहिब सिंह वर्मा के बाद हमेशा बाहरी व्यक्ति ही मुख्यमंत्री बनता रहा है। सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित, अरविंद केजरीवाल, अतिशी मार्लेना जैसे लोग दिल्ली के मूल निवासी नहीं है। इसलिए दिल्ली के लोग चाहते हैं कि अब की बार दिल्ली का ही रहने वाला नेता दिल्ली का मुख्यमंत्री बने ताकि उसे दिल्ली की असली नब्ज व समस्याओं की बखूबी जानकारी हो। जाट मतदाता चाहते हैं कि साहिब सिंह वर्मा के बाद एक बार फिर उनके बेटे प्रवेश वर्मा को मुख्यमंत्री बनाया जाए ताकि दिल्ली का सर्वांगीण विकास हो सके। वही गुर्जर मतदाता रमेश बिधूड़ी को मुख्यमंत्री बनाने की का मांग कर रहे हैं।

कहने को तो कांग्रेस भी पूरी सक्रियता से चुनाव लड़ रही है। मगर इंडिया गठबंधन में उनके साथी दलों द्वारा आम आदमी पार्टी को समर्थन देने के बाद कांग्रेस का मनोबल कमजोर हुआ है। इसी के चलते कांग्रेस का चुनाव प्रचार भी ज्यादा गति नहीं पकड़ पाया है। ऐसे में मुख्य मुकाबला आप व भाजपा के मध्य माना जा रहा है। दिल्ली विधानसभा के चुनाव में जो संघर्ष देखने को मिल रहा है उससे लगता है कि इस बार मुकाबला नेक टू नेक होने की पूरी संभावना नजर आ रही है। सभी दलो द्धारा मतदाताओं को लुभाने के लिये बड़ी-बड़ी धोषणा की जा रही है। पिछले लोकसभा चुनाव का ट्रेंड देखकर तो यही लगता है कि इस बार भाजपा, आआप व कांग्रेस में से कौन सी पार्टी सरकार बनायेगी यह कोई नहीं बता सकता है। इसका फैसला तो वोट डालकर दिल्ली के मतदाता ही करेंगे। जिस पार्टी के पक्ष में दिल्ली के मतदाता मतदान करेंगे। वही पार्टी दिल्ली में सरकार बनाएगी।

कविता अपेक्षा

घटती-घटना

प्रिया देवांगन
राजिम,गरियाबंद छत्तीसगढ़

पास तनिक माँ मेरे आओ।
गा कर लोरी मुझे सुलाओ।।
नींद नहीं माँ मुझको आती।
तुम मोबाइल में खो जाती।।
अपनी मीठी तान सुनाओ।
गा कर लोरी मुझे सुलाओ।।
वस्त्र तुम्हारे दें ना छाया।
धूप जलाती मेरी काया।।
आँचल का सुख मुझे दिलाओ।
गा कर लोरी मुझे सुलाओ।।
चलचित्रों में हो रम जाती।
मैं रोऊँ तो डाँट लगाती।।
अपनी गोदी मुझे उठाओ।
गा कर लोरी मुझे सुलाओ।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

नशीले कफ सिरप के साथ आरोपी गिरफ्तार

बेचने के लिए खोज रहा था ग्राहक

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

कोतवाली पुलिस ने नशीले काफ सिरप के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 41 नग नशीले कफ सिरप जब्त किया है। जिसे वह बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली थाना प्रभारी मनीष सिंह परिहार को 28 जनवरी को मुखबिर से जानकारी मिली की बौरीपारा निवासी शशि सोनी नशीले काफ सिरप बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है। सूचना पर पुलिस ठनगनपारा पहुंची और आरोपी को हिरासत में लिया। पुलिस ने आरोपी के झोले की तलाशी ली तो 21 नग नशीले कफ सिरप पाया गया। जिसकी कीमत 21 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी शशि सोनी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ धारा 21 सी एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

गर्भवती नव विवाहिता की मिली लाश,जांच में जुटी पुलिस

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम जयपुर में बुधवार की सुबह खेत में गर्भवती नव विवाहिता की लाश मिली है। महिला कुछ दिनों से मायके में रह रही थी। सूचना पर दरिमा पुलिस व फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुचंकर मामले की जांच की।

जानकारी के अनुसार अनिला सिंह भटगांव थाना क्षेत्र के ग्राम सकलपुर की रहने वाली थी। कुछ माह पूर्व ही इसकी शादी हुई थी। वह कुछ दिनों से अपने मायके दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम जयपुर में रह रही थी। बुधवार की सुबह घर से कुछ दूरी पर खेत में उसकी लाश मिली है। बताया जा रहा है कि महिला गर्भवती थी। सूचना पर दरिमा पुलिस व फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। मामले में एएसपी अमोलक सिंह का कहना है कि घटना संदिग्ध है। मामले की जांच की जा रही है। पीएम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तीन आरक्षकों के साथ गाली-गलौज व धक्का-मुक्की,रिपोर्ट दर्ज

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

कोतवाली पुलिस ने नशीले काफ सिरप के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 41 नग नशीले कफ सिरप जब्त किया है। जिसे वह बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली थाना प्रभारी मनीष सिंह परिहार को 28 जनवरी को मुखबिर से जानकारी मिली की बौरीपारा निवासी शशि सोनी नशीले काफ सिरप बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है। सूचना पर पुलिस ठनगनपारा पहुंची और आरोपी को हिरासत में लिया। पुलिस ने आरोपी के झोले की तलाशी ली तो 21 नग नशीले कफ सिरप पाया गया। जिसकी कीमत 21 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी शशि सोनी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ धारा 21 सी एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई करने जा रहे 3 आरक्षकों के साथ बीच रास्ते में स्कॉर्पियो सवारों द्वारा गाली गलौज व जान से मारने की धमकी देकर धक्का-मुक्की करने का मामला सामने आया है। आरक्षक ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार आरक्षक रमन मंडल, नितिन सिन्हा व विवेक कुमार रॉय थाना कोतवाली थाना में पदस्थ हैं। मंगलवार को तीनों आरक्षक सिविल पेट्रोलिंग में थे। मुखबिर की सूचना पर एनडीपीएस की कार्रवाई के लिए बौरीबांध तालाब के पास जा रहे थे। चांदनी चौक के पास स्कॉर्पियो क्रमांक जेएच 03एम 1631 के चालक लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए पुलिस गाड़ी ठोकर मार दिया। आरक्षकों ने आवाज लगाकर रूकने बोला तो वाहन रोक कर स्कॉर्पियो चालक मकसूद आरक्षकों के साथ गाली गलौज करते हुए धक्का-मुक्की करने लगा। तीनों आरक्षकों ने इसका विरोध किया तो स्कॉर्पियो चालक ने फोन कर बुलेट से दो युवकों को और बुला लिया। इनके द्वारा भी तीनों आरक्षकों के साथ गाली गलौज व धक्का-मुक्की की गई। पीड़ित आरक्षक रमन मंडल ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। आरक्षक की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी वाहन चालक मकसूद व दो अन्य के खिलाफ धारा 221, 296 (5), 351 (3) के तहत रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

पुलिस ने दो बदमाशों की निकाली रैली

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

मारपीट करने के मामले में बुधवार को मणिपुर पुलिस ने दो आदतन बदमाशों की रैली निकालकर कोर्ट तक ले गई। दोनों आरोपी कुछ दिन पूर्व चार से पांच साथियों के साथ मिलकर मारपीट की घटना को अंजाम दिए थे। पीड़ित युवक ने मामले की रिपोर्ट मणिपुर थाना में दर्ज कराई थी। मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर इनकी शहर में रैली निकाली है।

मामले की जानकारी देते हुए मणपुर थाना प्रभारी अखिलेश सिंह ने बताया कि आरोपी केदारपुर निवासी अतुल ताम्रकार उम्र 22 वर्ष व भड्डापारा निवासी आशु कश्यप उम्र 20 दोनों आदतन बदमाश हैं। आए दिन लोगों के साथ मारपीट व अन्य घटनाओं को अंजाम देते रहे हैं। कई बाद इन्हे समझाइश भी दी जा चुकी है। वहीं 3 से 4 दिन पूर्व 4 से 5 लोगों का गैंग बनाकर मारपीट की घटना को अंजाम दिया था। प्रार्थी ने मामले की रिपोर्ट मणिपुर थाना में दर्ज कराई थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी अतुल ताम्रकर व आशु कश्यप को बुधवार को गिरफ्तार किया था। वहीं लोगों के बीच इनका दहशत न रहे इसके लिए इन दोनों आरोपियों की रैली निकाली गई। मणिपुर थाना से रैली निकालकर दोनों आरोपियों को कोर्ट परिसर तक लाया गया। यहां न्यायालय में पेश करने के बाद जेल दाखिल कर दिया गया है।

पोस्टमॉर्टम के दौरान मृत महिला के पेट से निकला 12 किलोग्राम वजनी फाइब्राइड ट्यूमर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

पोस्टमार्टम में महिला की मौत का कारण अजीबोगिरब सामने आया है। इसे देखकर डॉक्टर भी हैरान हैं। पोस्टमार्टम के दौरान मृत महिला के पेट से 12 किलो वजनी ट्यूमर निकला है।

जानकारी के अनुसार 50 वर्षीय महिला पखरसिया तिग्गा कोतवाली थाना क्षेत्र के चोपड़ा पारा में अकेले किराए में रहती थी। वह शादी भी नहीं की थी और इसके परिवार में कोई नहीं था। 27 दिसंबर 2024 की सुबह महिला बाथरूम के पास चित हालत में मृत पड़ी थी। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की थी और शव का पोस्टमार्टम कराया था। पोस्टमार्टम कर रहे फॉरेंसिक डॉक्टर संटू बाग ने बताया कि महिला की मौत का शुरूआती लक्षण हृदयाघात लग रहा था। लेकिन पोस्टमार्टम के दौरान हृदय सुरक्षित था। वहीं फेंफड़े में रक्त स्राव होने का पता चला। जब इसके कारण जानने के लिए पेट को फाड़ा गया तो लगभग 12 किलो वजनी ट्यूमर निकला। डॉ. संटू बाग ने बताया कि महिला के पेट में ट्यूमर 12 किलो का था। पैर फिसलने से महिला मुंह के बल गिरी होगी और वजनी ट्यूमर के दबाव से उसका फेंफड़ा फट गया और महिला की मौत हो गई। अगर महिला समय पर इलाज करवाकर ट्यूमर का निकलवा लेती तो उसकी जान नहीं जाती। डॉ. संटू बाग ने बताया कि छत्तीसगढ़ में पहली बार पोस्टमॉर्टम के दौरान मृत महिला के पेट से निकला 12 किलोग्राम वजनी फाइब्राइड ट्यूमर निकला है। अब तक जीवित महिला के पेट से ऑपरेशन के दौरान 12 किलो का ट्यूमर निकाला गया है, परंतु मृत महिला में यह पहली दफा सामने आया है।

निर्वाचन प्रेक्षक ने किया नाम निर्देशन संविक्षा की कार्यवाही का अवलोकन

दिए आवश्यक निर्देश

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन के लिए नियुक्त भू-अभिलेख नवा रायपुर के प्रेक्षक अपर आयुक्त डॉ संतोष देवांगन ने सीतापुर नगर पंचायत के नाम निर्देशन की संविक्षा की कार्यवाही का अवलोकन किया तथा स्ट्रांग रूम व्यवस्थाओं का जायजा लिया । उन्होंने नगर पंचायत के मतदान केंद्रों का भी निरीक्षण कर बिजली,पानी सहित केंद्र में लगने वाले जरूरी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जनपद पंचायत के नाम निदेशक के कार्यवाही का भी अवलोकन कर आवश्यक निर्देश दिए।

नाम निर्देशन का तीसरा दिन

जिला पंचायत सदस्य हेतु 06 नामांकन पत्र किए गए क्रय,14 प्रत्याशियों ने किया नामांकन पत्र दाखिल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

जिला पंचायत के सदस्यों के निर्वाचन की प्रक्रिया 27 जनवरी से शुरू हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नाम निर्देशन के तीसरे दिन बुधवार को जिला पंचायत सदस्य हेतु 06 नामांकन पत्र क्रय किए गए। वहीं 14 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। बता दें नामांकन प्रक्रिया 3 फरवरी 2025 को अपराह्न 3 बजे जनसूचना अधिकारी कक्ष में पूरी होगी, जबकि नामांकन की संवीक्षा इसी कक्ष में 4 फरवरी को सुबह 10 बजे से होगी। अभ्यर्थी 6 फरवरी को अपराह्न 3 बजे तक नाम वापस ले सकेंगे। प्रथम चरण का मतदान 17 फरवरी, द्वितीय चरण का मतदान 20 फरवरी तथा तृतीय चरण का मतदान 23 फरवरी को होगा। मतगणना मतदान के तुरंत बाद संबंधित मतदान केंद्रों पर की जाएगी। प्रथम चरण का परिणाम 20 फरवरी, द्वितीय चरण का परिणाम 23 फरवरी, तृतीय चरण का परिणाम 25 फरवरी को जिला मुख्यालय में ही घोषित किया जाएगा।

एसीबी ने 27 हजार की रिश्वत लेते विद्युत विभाग के एई को रंगे हाथों किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,29 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने विद्युत विभाग में पदस्थ असिस्टेंट इंजीनियर (एई) को 27 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार ग्राम केवरी निवासी चंदन डुक्षसह अपने गांव में ब्रिक्श फ्लाई ऐश ईंट का प्लांट लगाना है। प्लांट में ट्रांसफार्मर लगवाने के लिए लखनपुर विद्युत कार्यालय में आवेदन किया था। विद्युत कार्यालय के सहायक अभियंता सचिन भगत ट्रांसफार्मर लगाने के लिए 40 हजार रुपए की मांग की थी। काफी निवेदन करने पर रिश्वत की समहति 27 हजार रुपए में बनी थी। फ्लाई ऐश ब्रिक्स के संचालक ने इसकी शिकायत एसीबी अंबिकापुर की टीम से की। रिश्वत मांगने संबंधी बात की पुष्टि हो जाने के बाद एसीबी की टीम ने बुधवार का दिन निर्धारित किया था। रिश्वत देन के लिए सहायक अभियंता को अंबिकापुर पावर हाउस कार्यालय बुलाया गया था। जहां से रिश्वत की राशि 27 हजार रुपए के साथ रंगे हाथ एसीबी की टीम ने सहायक अभियंता सचिन भगत को गिरफ्तार किया है।

नगर विकास के लिए समर्पित भाव से काम करूंगी:मंजूषा भगत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 29 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

भाजपा महापौर प्रत्याशी श्रीमती मंजूषा भगत ने नामांकन दाखिल करते ही अपना जनसंपर्क अभियान शुरू कर किया।

आज सुबह उन्होंने अम्बिकापुर के गांधी स्टेडियम ग्राउंड में मॉर्निंग वॉकर ग्रुप के सदस्यों, खिलाड़ियों तथा नगर के प्रतिष्ठित वरिष्ठजनों से आत्मीय मुलाकात कर उनसे आशीर्वाद लिया। साथ ही अंबिकापुर के जिला न्यायालय में वरिष्ठ अधिवक्ताओं तथा युवा अधिवक्ता साथियों से सौजन्य मुलाकात कर उनसे महापौर पद हेतु समर्थन और सहयोग मांगा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि तीन बार पार्षद के रूप में मैंने आम जनता की सेवा की है। अब इस बार महापौर के रूप में मुझे सेवा का अवसर दें,मैं अंबिकापुर नगर के विकास के लिए समर्पित भाव से काम करूंगी।

मधुमेह पीड़ित लड़की की मौत के मामले में बड़ा फैसला

ऑस्ट्रेलियाई धार्मिक समूह के 14 सदस्य दोषी करार

कैनेबरा,29 जनवरी 2025। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड में एक 8 साल की लड़की की हत्या मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। जहां तीन साल के बाद इस बात की पुष्टि हो गई है कि मधुमेह पीड़ित लड़की एलिजाबेथ रोज स्टुह्स की मौत मधुमेह (टाइप-1) के लिए निर्धारित इंसुलिन के इंजेक्शन नहीं देने के कारण हुई थी। चौकाने वाली बात ये है कि इस हत्या के आरोप में लड़की के माता-पिता और भाई समेत उनके धार्मिक समुदाय के 12 अन्य सदस्य दोषी पाए गए हैं।

माता-पिता के साथ दोषी पाया गया भाई

बता दें कि ये घटना 7 जनवरी 2022 की है, जब लड़की एलिजाबेथ रोज स्टुह्स की मौत मधुमेह (टाइप-1) के लिए निर्धारित इंसुलिन के इंजेक्शन नहीं देने के कारण हो गई। मामले में लड़की के पिता जेसन रिचर्ड स्टुह्स और समुदाय के नेता ब्रेंडन ल्यूक स्टीवंस दोनों को हत्या के दोषी पाया गया। इसके अलावा लड़की की मां केरी एलिज़ाबेथ स्टुह्स और भाई जैचरी एलन स्टुह्स समेत अन्य 12 सदस्य भी दोषी ठहराए गए हैं। क्वींसलैंड सुप्रीम कोर्ट ने सभी 14 आरोपियों को हत्या का दोषी माना है।

11 फरवरी को सुनाई जाएगी सजा

क्वींसलैंड सुप्रीम कोर्ट के द्वारा सुनाए गए फैसले के अनुसार इन सभी दोषियों को 11 फरवरी को सजा सुनाई जाएगी और हर एक को अधिकतम उम्रभर की सजा होने की संभावना जताई गई है। कोर्ट के फैसले के बाद लड़की की बहन जेडे स्टुह्स ने अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि हालांकि उन्हें कोर्ट का फैसला अच्छा लगा, लेकिन उन्हें यह महसूस हुआ कि सिस्टम ने पहले एलिजाबेथ की सुरक्षा सुनिश्चित करने में असफलता दिखाई। जडे ने कहा कि अगर पहले ही एलिजाबेथ को सुरक्षित जगह पर नहीं भेजा गया होता या उसे बचाने के लिए सही कदम उठाए जाते तो शायद यह दुखद घटना नहीं होती।

एक नजर सुनवाई पर

क्वींसलैंड सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश मार्टिन बर्न्स ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि अभियोजन पक्ष यह नहीं कर पाया कि मामले में लड़की के पिता और धार्मिक नेता गुनेहगार नहीं है और उनकी लापरवाही से लड़की की जान नहीं गई है। हालांकि न्यायाधीश ने यह भी माना कि लड़की के माता-पिता ने अन्य आरोपियों के सहयोग से उस बच्ची की देखभाल के मामले में मानक से बहुत अलग व्यवहार किया।

धार्मिक नेता ने दिया था ये तर्क

गौरतलब है कि मधुमेह पीड़ित 8 साल की लड़की एलिजाबेथ रोज स्टुह्स की मधुमेह (टाइप-1) के लिए निर्धारित इंसुलिन के इंजेक्शन नहीं देने के कारण 7 जनवरी 2022 को मौत हो गई थी। मामले में माता-पिता ने इलाज करवाने के बजाय धार्म गुरु की बातों पर विश्वास किया। जहां धार्मिक समूह का नेता स्टीवंस ने ये तर्क दिया था कि उस बच्चो भगवान ही ठीक कर सकते है ना कि कोई चिकित्सा या फिर उपचार।

सऊदी अरब में भीषण सड़क हादसा, नौ भारतीयों की मौतःविदेश मंत्री जयशंकर ने जताया दुख

जेद्दा,29 जनवरी 2025। सऊदी अरब में भीषण सड़क हादसे में नौ भारतीयों की मौत हो गई है। जेद्दा में भारतीय मिशन ने इस बारे में जानकारी दी है। मिशन ने बताया कि यह हादसा पश्चिमी सऊदी अरब में जीजान के पास हुआ। मिशन ने बताया कि वह हादसे में मृत हुए लोगों के परिवारों के संपर्क में है। इसके अलावा, वह सऊदी के अधिकारियों के संपर्क में हैं और वे अपना समर्थन दे रहे हैं।

भारतीय वाणिज्य दूतावास ने एक्स पोस्ट में कहा कि हम सऊदी अरब साम्राज्य के पश्चिमी क्षेत्र में जिज़ान के पास एक सड़क दुर्घटना में 9 भारतीय नागरिकों की दुखद मौत पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं। पीड़ित परिवारों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदना है। जेद्दा में भारत का महावाणिज्य दूतावास पूर्ण सहायता प्रदान कर रहा है और अधिकारियों और परिवारों के संपर्क में है। हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि एक हेल्पलाइन स्थापित की गई है, जहां हादसे को लेकर मृतकों और घायलों के परिजन संपर्क कर सकते हैं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी इस हादसे पर दुख जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि वह दुर्घटना और लोगों की मौत के बारे में जानकर दुखी हैं। एक्स पर एक पोस्ट में विदेश मंत्री ने कहा कि जेद्दा में हमारे महावाणिज्यदूत से बात हुई, जो संबंधित परिवारों के संपर्क में हैं। वह इस दुखद स्थिति में पूरा समर्थन दे रहे हैं।

संघीय कर्मचारियों की छंटनी की तैयारी, कर्मियों को आठ महीने का वेतन लेकर नौकरी छोड़ने का विकल्प दिया गया

वॉशिंगटन,29 जनवरी 2025। अमेरिका में संघीय कर्मचारियों की छंटनी की तैयारी है। ट्रंप प्रशासन ने संघीय कर्मचारियों को आठ महीने का वेतन देकर नौकरी छोड़ने का विकल्प दिया है। ट्रंप प्रशासन ने मंगलवार को एलान किया कि जो कर्मचारी अगले सप्ताह तक नौकरी छोड़ने का विकल्प चुनेंगे, उनको ही यह लाभ मिलेगा। अमेरिकी सरकार की मानव संसाधन एजेंसी ने निर्देश जारी करते हुए कहा कि सभी संघीय कर्मचारियों को उपयुक्तता और आचरण के बेहतर मानकों के अधीन किया जाएगा। एजेंसी ने भविष्य में छंटनी की भी चेतावनी दी है।

एजेंसी की ओर से लाखों कर्मचारियों को भेजे गए ईमेल में कहा गया है कि जो लोग स्वेच्छा से अपने पद छोड़ेंगे, उन्हें लगभग आठ महीने का वेतन मिलेगा। मगर उन्हें छह फरवरी तक ऐसा करने का विकल्प चुनना होगा। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की अध्यक्षता वाले सरकारी दक्षता विभाग के सलाहकार बोर्ड में शामिल केटी मिलर ने एक्स पर लिखा कि ईमेल दो मिलियन से अधिक संघीय कर्मचारियों को भेजा गया है।

ईमेल में अमेरिका के कार्मिक प्रबंधन मंत्रालय (ओपीएम) ने चार निर्देश दिए हैं। मंत्रालय का कहा है कि ट्रंप संघीय कार्यबल को आगे बढ़ने के लिए अनिवार्य कर रहे हैं। इसमें यह भी शामिल है कि अधिकांश कर्मचारी पूर्णकालिक रूप से अपने कार्यालयों में लौट आएं। ईमेल में कहा गया कि कोविड के बाद से दूर से काम कर रहे संघीय कर्मचारियों में से अधिकांश को सप्ताह में पांच दिन अपने कार्यालय से काम करना होगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी पिछले सप्ताह कहा था कि संघीय कर्मचारियों को अपने कार्यालय जाना होगा और काम करना होगा। अन्यथा आपके पास नौकरी नहीं होगी। ईमेल में लिखा है कि हर कर्मचारी की उत्कृष्टता पर जोर दिया जाएगा। ट्रंप प्रशासन के तहत सरकार के कार्यबल के कुछ हिस्सों में वृद्धि हो सकती है। इसके चलते अधिकांश संघीय एजेंसियों का आकार कम होने की संभावना है। ईमेल में यह भी कहा गया है कि संघीय कार्यबल में ऐसे कर्मचारी शामिल होने चाहिए जो विश्वसनीय, वफादार, भरोसेमंद हों और जो अपने दैनिक कार्य में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करते हों।

बांग्लादेश ने फिर अलापा भारत विरोध राग,सीमा पर दवाओं की तस्करी का लगाया झूठा आरोप

ढाका, 29 जनवरी 2025। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) मोहम्मद जहांगीर आलम चौधरी ने बुधवार को कहा कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान भारत के साथ किए गए सभी असमान समझौतों पर चर्चा की जाएगी।

ढाका ट्रिब्यून अखबार की एक रिपोर्ट के अनुसार, आगामी भारत-बांग्लादेश सीमा सुरक्षा सम्मेलन पर आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते समय चौधरी ने सीमावर्ती इलाकों में भारत के नागरिकों पर मादक पदार्थ बनाने और उन्हें बांग्लादेश में तस्करी करने का आरोप लगाया।

दवाओं की तस्करी का आरोप

उन्होंने कहा, वे फेंसिडिल बनाते हैं और इसे बांग्लादेश में तस्करी करते हैं। हालांकि वे इसे दवा बताते हैं, लेकिन वास्तव में यह मादक पदार्थ है। चौधरी ने कहा कि सीमा से 150 गज के भीतर किसी भी गतिविधि के लिए दोनों देशों की आपसी स्वीकृति आवश्यक होती है और किसी भी पक्ष के लिए एकतरफा कार्रवाई की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि किसी विकास परियोजना के तहत मस्जिद या मंदिर का निर्माण किया जाना हो, तो दोनों देशों की सहमति अनिवार्य होगी। भविष्य में इस सहमति को सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

बांग्लादेशी सलाहकार ने कहा कि सीमा पर निहत्थे बांग्लादेशी नागरिकों पर कथित गोलीबारी पर भी सम्मेलन में चर्चा की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा, बीएसएफ या भारतीय नागरिकों द्वारा बांग्लादेशी नागरिकों को कथित रूप से अगवा करने या हिरासत में लेने के मामलों पर बैठक में चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा, सीमा उल्लंघन, अवैध प्रवेश और घुसपैठ को रोकने के उपायों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही, भारत से बांग्लादेश में अवैध मादक पदार्थों जैसे फेंसिडिल, हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटकों की तस्करी को रोकने को प्राथमिकता दी जाएगी। चौधरी ने कहा कि नदियों के पानी के न्यायसंगत बंटवारे, जल समझौतों के कार्यान्वयन और रहीमपुर नहर के मुहाने को फिर से खोलने जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी।

बांग्लादेश में यूनुस सरकार के खिलाफ रोष,इस्तीफे की मांग पर अवामी लीग की बड़े आंदोलन की तैयारी

ढाका,29 जनवरी 2025। बांग्लादेश में अलपसंख्यक हिंदू समुदाय पर अत्याचार लगातार बढ़ते जा रहे है। इसी बीच बांग्लादेश की अपदस्थ पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर अत्याचार करने के लिए मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के इस्तीफे की मांग करते हुए बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शनों करने की घोषणा की है।

आवामी लील का पहला बड़ा प्रदर्शन

देखा जाए तो ये प्रदर्शन आवामी लीग पहला बड़ा प्रदर्शन होगा। हालांकि पार्टी के अधिकतर नेता पिछले साल 5 अगस्त को छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध आंदोलन के बाद से या तो गिरफ्तार हो चुके हैं या अंडरग्राऊंड हैं। बता दें कि अवामी लीग ने अपने फेसबुक पेज पर एक बयान जारी किया है जिसमें बताया गया है कि वह 1 फरवरी से सड़कों पर उतरकर हड़ताल और नाकाबंदी कार्यक्रमों के माध्यम से अंतरिम सरकार के इस्तीफे के लिए दबाव बनाएगी।

मांगों के लिए अभियान चलाएगी पार्टी

पार्टी द्वारा जारी बयान में बताया गया है कि पार्टी शनिवार से बुधवार तक पर्चे बांटेगी और अपनी मांगों के लिए अभियान चलाएगी। 6 फरवरी को देशभर में विरोध मार्च और रैलियां आयोजित की जाएंगी और 10 फरवरी को प्रदर्शन और रैलियां होंगी। इसके बाद 16 फरवरी को देशभर में नाकेबंदी की जाएगी और 18 फरवरी को पूरे दिन की सख्त

हड़ताल होगी।

हसीने के खिलाफ आरोप वापस लेने की मांग

साथ ही पार्टी ने हसीना और अन्य नेताओं के खिलाफ हत्या और अन्य आरोपों को वापस लेने की भी मांग की है, जिन्हें हास्यास्पद मुकदमे करार दिया गया है। गौरतलब है कि पार्टी ने पहले 10 नवंबर को विरोध शुरू करने की योजना बनाई थी, लेकिन इसे लागू नहीं कर सकी। अवामी लीग 5 अगस्त के बाद से काफी हद तक निष्क्रिय रही है, जब शेख हसीना विद्रोह के बाद भारत भाग गई थीं।

एक नजर यूनुस सरकार की असफलता पर

इन दिनों बांग्लादेश में उच्च पेंशन और अन्य लाभ दिए जाने की मांग को लेकर रेलवे कर्मचारी हड़ताल पर हैं। इसके चलते ट्रेनों का संचालन बंद हो गया। यात्री और मालगाड़ियों को रद्द कर दिया। हड़ताल के चलते हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। यात्री स्टेशनों पर बसों का इंतजार करते नजर आए। इसके साथ ही माल परिवहन भी प्रभावित हुआ।

सैदुर रहमान ने जताई नाराजगी

साथ ही मामले में बांग्लादेश रेलवे रनिंग स्टाफ और कर्मचारी यूनियन के कार्यवाहक अध्यक्ष सैदुर रहमान ने कहा था कि मांगो को लेकर सोमवार देर रात को मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के साथ बैठक हुई थी, लेकिन मांगों पर सहमति नहीं बन सकी। रहमान ने कहा कि जब तक सरकार हमारी मांगों को मान नहीं लेती है, तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

पूर्व श्रीलंकाई राष्ट्रपति राजपक्षे के बेटे हेराफेरी मामले में दोषी करार, 2016 में हुई थी गिरफ्तारी

कोलंबो, 29 जनवरी 2025। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बड़े बेटे को 2015 से पहले भारतीय निवेश से जुड़े हेराफेरीके मामले में हाईकोर्ट ने दोषी ठहराया। 38 वर्षीय नमल राजपक्षे को 2016 में गिरफ्तार किया गया था। उनपर रग्बी के खेल को विकसित करने के लिए कृष होटल परियोजना के पैसे से 70 मिलियन श्रीलंकाई रुपये का दुरुपयोग करने का आरोप लगा है। कोलंबो के मध्य में स्थि कृष होटल परियोजना को रद्द कर दिया गया और अधूरा निर्माण कार्य अभी भी वैस ही पड़ा हुआ है। राहगीरों के लिए खतरे को देखते हुए एक अन्य अदालत में इसकी असुरक्षित स्थिति को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।

महिंदा राजपक्षे को करना पड़ा सरकार के गुस्से का सामना

महिंदा राजपक्षे को हाल ही में सरकार के गुस्से का सामना करना पड़ा था, क्योंकि वे सरकारी वास खाली करने में विफल रहे थे। सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति पर करदाताओं के खर्च पर लाभ उठाने का आरोप लगाया। उन्होंने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा में भारी कटौती करने की सरकार की कार्रवाई को पलटने के लिए पहले ही सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दी है। विपक्ष का कहना है कि पूर्व राष्ट्रपति संवैधानिक तौर पर सेवानिवृत्ति लाभ के हकदार हैं।

अनुरा कुमार दिसानायके के राष्ट्रपति बनने के बाद मुद्दे को उठाया गया

अनुरा कुमार दिसानायके के राष्ट्रपति पद संभालने के बाद इस मामले को एक बार फिर उठाया गया, जिसके बाद पुलिस ने एकबार फिर नमल राजपक्षे से पूछताछ की। इसके एक हफ्ते बाद उनके छोटे भाई योशिथा को इसी तरह के संदिग्ध संपत्ति मामले को लेकर गिरफ्तार किया गया था, लेकिन सोमवार को उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। नमल राजपक्षे को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के बारे में मालूम चला। इस पोस्ट में कहा गया, यह स्पष्ट है कि वर्तमान सरकार ने राजपक्षे परिवार के खिलाफ राजनीतिक साजिश शुरू कर दी है।

पश्चिमी अधिकारियों ने हथियार खरीद विवाद पर यूक्रेन को दी चेतावनी

सरकार से स्थिति ठीक करने की अपील की

कीव,29 जनवरी 2025। पश्चिमी देशों के अधिकारियों ने यूक्रेन को चेतावनी दी कि रक्षा मंत्री और खरीद प्रमुख के बीच बढ़ती दरार देश में विश्वास को खतरे में डाल सकती है। उन्होंने यूक्रेनी सरकार ने इस स्थिति को जल्द से जल्द ठीक करने का आग्रह किया, जिससे हथियारों की आपूर्ति बाधित न हो। यह संघर्ष पिछले हफ्ते शुरू हुआ। दरअसल, रक्षा खरीद एजेंसी बोर्ड ने सर्वसम्मति से निदेशक मैरीना बेज़रुकोवा के अनुबंध को एक और साल बढ़ाने के लिए मतदान किया। हालांकि, रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव ने इस फैसले को खारिज कर दिया और उनके कॉन्ट्रैक्ट को रिन्यू करने से इनकार कर दिया। उन्होंने मैरीना बेज़रुकोवा के खराब प्रदर्शन और सैनिकों को हथियार और गोला-बारूद पहुंचाने में विफल होने का आरोप लगाया।

रक्षा मंत्री के इस फैसले पर सांसदों ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री का यह कदम कानूनी नहीं था, क्योंकि बेज़रुकोवा का अनुबंध जनवरी में एजेंसी द्वारा बढ़ा दिया गया था। यूक्रेनी कानून के तहत रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव का यह निर्णय अवैध है। यह दरार तब आई, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

के नए प्रशासन के तहत यूक्रेन के लिए अमेरिका का समर्थन सवालों के घेरे में आ गया। सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान जारी करते हुए सात देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले राजदूत ने यूक्रेनी सरकार से इस समस्या को हल करने का अनुरोध किया।

रक्षा मंत्री उमेरोव के फैसले के बाद भ्रष्टाचार विरोधी कार्रवाई केंद्र ने उनके खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एनएबीयू) से उमेरोव पर सत्ता का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए जांच करने का आग्रह किया। स्थानीय मीडिया ने बताया कि एनएबीयू ने भ्रष्टाचार विरोधी कार्रवाई केंद्र के अनुरोध पर उमेरोव के खिलाफ कार्रवाई शुरू की। इस बीच रात भर रूस और यूक्रेन के बीच ड्रोन हमले हुए। रूसी सेना ने बताया कि उन्होंने इस साल सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक में नौ रूसी क्षेत्रों में 104 यूक्रेनी ड्रोनों को नष्ट कर दिया। इस दौरान किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। यूक्रेनी वायु सेना ने कहा कि रूस ने रात भर में 57 शाहेद और अन्य ड्रोन लॉन्च किए।

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त 30 जनवरी को सरगुजा एवं सूरजपुर जिले पर रहेंगे

नगरीय निकायों एवं त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन मतदान पूर्व तैयारीयों की करेंगे समीक्षा

- संवाददाता -

अम्बिकापुर,29 जनवरी 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त श्री अजय सिंह 30 जनवरी सरगुजा जिले के प्रवास पर रहेंगे तथा मतदान पूर्व तैयारी की समीक्षा करेंगे। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह प्रातः 10:00 बजे रायपुर एयरपोर्ट से प्रस्थान करेंगे एवं 10:45 बजे अंबिकापुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। प्रातः 11:00 बजे से 12:00 बजे तक स्ट्रांग रूम एवं मतदान केंद्रों का निरीक्षण करेंगे तथा जिला मुख्यालय में संभाग आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं रिटर्निंग ऑफिसर के साथ मतदान पूर्व तैयारियों की समीक्षा करेंगे।

इसके बाद अपराह्न 12:00 अंबिकापुर से प्रस्थान कर 12:45 को सूरजपुर पहुंचेंगे। अपरान्ह 1:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक स्ट्रांग रूम एवं मतदान केंद्रों का निरीक्षण करेंगे तथा जिला मुख्यालय में संबंधित जिले के संभाग आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक,कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं रिटर्निंग ऑफिसर के साथ मतदान पूर्व तैयारीयों की समीक्षा करेंगे। अपराह्न 3:00 बजे सूरजपुर से सरगुजा एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान करेंगे एवं 3:45 बजे सरगुजा एयरपोर्ट से प्रस्थान कर 5:00 बजे रायपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे।

कक्षा 6 वीं में प्रवेश प्राक्चयन परीक्षा 2 मार्च को

- संवाददाता -

अम्बिकापुर,29 जनवरी 2025 (घटती-घटना)। जिला स्तरीय छत्तीसगढ़ आदिम जाति कल्याण आवासीय एवं आश्रम शैक्षणिक संस्थान समिति के सहायक आयुक्त ने बताया कि शिक्षण सत्र 2025-26 हेतु कक्षा 6 वीं में प्रवेश प्राक्चयन परीक्षा हेतु पूर्व निर्धारित परीक्षा तिथि नगरपालिकाओं एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के आम/उप निर्वाचन होने के फलस्वरूप प्रदेश में आदर्श आचार प्रभावशील होने के कारण 16 फरवरी को आयोजित होने वाली परीक्षा तिथि स्थगित कर दिया गया है । अब 02 मार्च 2025 को निर्धारित समय प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक आयोजित की जाएगी।

दुकानों के आबंटन हेतु शील्ड ऑफर आमंत्रित

- संवाददाता -

अम्बिकापुर,29 जनवरी 2025 (घटती-घटना)। नगर पालिक निगम अम्बिकापुर के स्वामित्व के गांधी स्टेडियम के समीप पूर्व में संचालित अग्निशामक केन्द्र में भूतल पर बनी दुकानों का आबंटन निर्धारित प्रीमियम तथा मासिक किराये पर किये जाने हेतु शील्ड ऑफर आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक आवेदक स्पीड पोस्ट या पंजीकृत डाक द्वारा 31 जनवरी 2025 को अपरान्ह 03:00 बजे तक निर्धारित प्रारूप में शील्ड ऑफर भेज सकते हैं। प्राप्त ऑफर 31 जनवरी 2025 को अपरान्ह 04:30 बजे खोले जायेंगे। 29 जनवरी 2025 तक कार्यालय से ऑफर प्रपत्र प्राप्त किये जा सकते हैं। सार्वजनिक सूचना पत्र में लिपकीय त्रुटिवश प्रीमियम की राशि 111334/- मुद्रित हुआ है जो कि राशि 1113342/- रूपये निर्धारित है।

कांग्रेस के कद्दावर नेता की साख लगी पटना नगर पंचायत चुनाव में दांव पर...पूर्व विधायक की पसंद से प्रत्याशी नहीं हुआ तय...नामांकन रैली से उन्होंने बनाई दूरी

यवत सिंह ने अपने दम पर नामांकन रैली को बनाया सफल वरिष्ठ कांग्रेसी भी रहे साथ,चुनाव में भीतरघात होने की भी संभावना दोनों पार्टियों में,जो भीतरघात को रोक पाएगा वही चुनाव में जीत पाएगा इस चुनाव में...क्या पूर्व विधायक ने खेल दिया बड़ा दाव,अपने प्रत्याशी को टिकट के लिए की लड़ाई पर मिली हार और अगले विधानसभा के लिए वरिष्ठ कांग्रेसी का मुंह चुप करने की मानी जा रही रणनीतिःसूत्र

-रवि सिंह-
बैकुंठपुर/पटना,29 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

पटना नगर पंचायत के लिए स्क्रूटनी की प्रक्रिया भी संपन्न हो गई वहीं 31 जनवरी को नाम वापसी की प्रक्रिया सम्पन्न होने उपरांत यह तय हो जायेगा कि कितने लोग अध्यक्ष पद के लिए प्रत्याशी रहने वाले हैं और कितने कितने प्रत्येक वार्ड पार्षद पद के प्रत्याशी शेष रहेंगे। वहीं मुख्य मुकाबला भी किनके बीच होगा यह भी देखने वाली बात होगी। वैसे अब तक 6 लोग अध्यक्ष पद के लिए प्रत्याशी बतौर नामांकन कर चुके हैं। पटना का पहला नगर पंचायत चुनाव किसी के लिए महत्वपूर्ण हो न हो पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष के लिए यह साख का सवाल है क्योंकि उन्होंने अपनी पसंद के उम्मीदवार को कांग्रेस पार्टी से टिकट दिलवाया है और जीत का आश्वासन पार्टी को दिया है, वैसे पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष यवत कुमार सिंह के साथ यह भी दिक्कत आन खड़ी हुई है कि उनके खास कहलाने वाले उनके कभी सिपहसालार रह चुके ने भी अपने घर से नामांकन करा दिया है अध्यक्ष पद के लिए, वहीं कांग्रेस से ही एक अन्य ने भी बगावत कर नामांकन कर दिया है। वैसे अभी यवत सिंह के लिए अवसर बचा हुआ है और वह चाहें तो नाम वापसी दिनांक तक एक दो का नामांकन वापस करा सकते हैं लेकिन क्या ऐसा सम्भव होगा यह भविष्य के गर्भ की बात है? वैसे माना जा रहा है कि कुछ नामांकन वापस होंगे जो सौदे के लिए नामांकन दर्ज किए हैं और वह कौन से नाम होंगे यह देखने वाली बात होगी।

यवत सिंह यदि इस चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी को जीत दिला ले गए यह भी कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि वह पटना 84 के कद्दावर और बड़े नेताओं की श्रेणी में अव्वल हो जायेगे। यवत सिंह के लिए यह चुनाव प्रतिष्ठा का इसलिए भी है क्योंकि उन्होंने अपना मनपसंद प्रत्याशी तय कराने अपनी एडी चोटी का जोर लगा दिया और यहां तक कि उन्होंने अपने राजनीतिक भविष्य की भी चिंता नहीं की और पूर्व विधायक को भी उन्होंने पटखनी राजनीतिक दे डाली जो टिकट वितरण में देखी गई जहां पूर्व विधायक की पसंद को पार्टी ने नकार दिया और कांग्रेस से यवत सिंह के पसंद की प्रत्याशी को टिकट मिल गया। अब चुनाव परिणाम पक्ष में आए इसके लिए यवत सिंह को कड़ी मेहनत करने की जरूरत पड़ने वाली है। बता दें कि उन्हें काफी कुछ साधना होगा जिसमें नगर के मतदाताओं को पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में लाने उन्हें मतदाताओं को विश्वास में अपने लेना होगा क्योंकि अब प्रत्याशी की छवि की बजाए यवत सिंह की छवि दांव पर है और हार जीत के साथ उन्हीं का राजनीतिक भविष्य तय होना है, वहीं पूर्व विधायक को भी वह यह साबित कर पाएंगे कि उनके साथ पटना है और आगे चुनावों में उनके बिना कोई जीत सुनिश्चित होनी कठिन होंगी।

अकेले के दम पर नामांकन रैली को सफल कर दिखाया यवत सिंह ने...

यवत सिंह ने अकेले के दम पर नामांकन रैली को कांग्रेस के सफल कर दिखाया। नामांकन रैली में जिलेभर के कांग्रेसियों का आह्वान कर उन्होंने उनकी उपस्थिति भी दर्ज कराई और नामांकन रैली की सफलता तय की। यवत सिंह ने इस तरह अपनी जुझारू छवि से भी लोगों को पार्टी के अवगत कराया, यवत सिंह ने रैली के लिए काफी मेहनत की थी यह बताया जा रहा है। यवत सिंह नामांकन रैली के दिन तब तक चैन से बैठे नजर नहीं आए जबतक उन्होंने रैली को सफल नहीं बना लिया।

पूर्व विधायक ने नामांकन रैली से बनाई दूरी,अपने पसंद की प्रत्याशी न मिलने से थीं नाराजःसूत्र

पूर्व विधायक ने कांग्रेस पार्टी की पटना नगर पंचायत के लिए निकाली गई नामांकन रैली से दूरी बनाई ऐसा बताया जा रहा है वहीं सूत्रों का कहना है कि उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उन्होंने अपनी पसंद से पार्टी प्रत्याशी की घोषणा की मांग की थी जो पार्टी ने नकार दी और जिससे वह आहत हुई और उन्होंने नामांकन रैली से ही दूरी बना ली। वैसे उन्होंने अपनी नाराजगी नामांकन रैली से बनाई थी आगे वह समाचार प्रकाशन उपरांत अवश्य प्रचार में उतरेंगी यह भी सूत्रों का दावा है। पूर्व विधायक को यह बड़ा झटका लगा है टिकट वितरण के दौरान यह माना जा रहा है क्योंकि उनकी तरफ से उनके पसंद के प्रत्याशी का नाम तय किया जा चुका था।

सिर्फ नामांकन रैली ही रह गई आमसभा नहीं हुआ

कांग्रेस की नामांकन रैली आमसभा में तब्दील नहीं हुई, रैली हुई और नामांकन हुआ केवल और नामांकन के बाद सभी अपने अपने गंतव्य को रवाना हो गए। कांग्रेस की रैली और नामांकन के दौरान आमसभा क्यों नहीं हुआ इसका भी पता नहीं चल सका और बताया जा रहा है कि आमसभा के लिए शायद अनुमति नहीं लेना ही इसकी वजह रही। खैर आमसभा की बजाए कांग्रेस ने केवल रैली से ही काम निपटाया ऐसा कहना सही होगा।

भाजपा-कांग्रेस दोनों की नामांकन रैली पटना हनुमान मंदिर से निकलने वाली थी...पर समय एक होने की वजह से कांग्रेस को दूसरे स्थान से शुरू करनी पड़ी रैली

भाजपा कांग्रेस दोनों की नामांकन रैली हनुमान मंदिर से ही निकलने वाली थी लेकिन समय एक होने की वजह से ऐसा सम्भव नहीं हुआ और कांग्रेस ने रैली बीच रस्ते से निकाल ली। कांग्रेस की रैली जहां बाजारपारा से शुरू हुई वहीं भाजपा की रैली हनुमान मंदिर से निकली। भाजपा ने रैली करके नामांकन किया और बाद में आमसभा करके कार्यक्रम समाप्त किया।

स्कूली बच्चों को चौकी खड़गवां पुलिस ने दी यातायात नियमों की जानकारी

-संवाददाता-
सूरजपुर,29 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह में ज्यादा से ज्यादा स्कूली छात्र-छात्राओं और आम जनता को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए यातायात नियमों का पालन करने हेतु जागरूक करने के निर्देश पुलिस अधिकारियों को दिए है। इसी परिप्रेक्ष्य में बुधवार, 29 जनवरी को चौकी प्रभारी खड़गवां योगेंद्र जायसवाल और उनकी टीम ने हायर सेकेंडरी स्कूल बोझा/खड़गवां के शिक्षक एवं बच्चों को यातायात नियमों की जानकारी दी। यातायात नियमों संकेतो चिन्हों को दिखाते हुए बच्चों को जानकारी प्रदान करने के साथ ही यातायात नियम की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

चौकी प्रभारी के द्वारा स्कूल स्टाफ और बच्चों से प्रश्न पूछे गए प्रश्नों का सही उत्तर देने वाले बच्चों को नगद पुरस्कार वितरण किया गया। बिना हेलमेट वाहन चलाने को पूर्णता मना किया गया, साथ ही भविष्य में यातायात नियमों का उल्लंघन न करने का संकल्प किया गया, यातायात नियमों के सूचनात्मक चिन्ह नियमों की जानकारी के साथ यातायात संबंधित नियम, रोड पार करने, चौक चौराहे पार करने के नियम, ट्रैफिक सिग्नल लाइट्स की जानकारी, हाथों के संकेतों के माध्यम से यातायात व्यवस्था का संचालन, तीन सवारी, हेलमेट अनिवार्यता और सीट बेल्ट अनिवार्यता को बताते हुए मादक द्रव्यों के सेवन के साथ तेज गति व लापरवाही पूर्वक वाहन न चलने और वाहन चलाते समय प्रेशर हॉर्न का उपयोग प्रतिबंधित तथा मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करना, ज़ेबरा क्रॉसिंग, रेलवे क्रॉसिंग के नियमों का पालन करना बताया गया। बच्चों को यह समझाइए दी गई की ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के उपरांत ही गाड़ी चलाएं यह भी बताया गया की दुर्घटना घटित होने पर चालक के कर्तव्य तथा सड़क पर वाहन चलाते और पार्क करने के तरीके साथ ही मोटर अधिनियम धाराएं और जुर्माना की राशि से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। जीवन में यातायात नियमों के पालन करने की शपथ दिलाई गई। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य संतोष भारती के द्वारा लाइसेंस बनवाने के नियमों को बताया गया और नियम विरुद्ध वाहन चलाने पर आर्थिक क्षति तथा दुर्घटना घटित होने पर शारीरीक छती के संबंध में छात्रों को जानकारी दी गई। भारत सरकार के आदेशानुसार राज्य सरकार के मंशा अनुसार चलाए जा रहे मासिक यातायात सड़क सुरक्षा सप्ताह पर विद्यालय में चित्रकला और निबंध का आयोजन किया गया इसमें यातायात के लाभ और दुर्घटनाओं से होने वाली हानि पर बच्चों के द्वारा चित्रकला के माध्यम से प्रस्तुति दी गई। निबंध में प्रथम स्थान चंदा राजवाड़े, चित्रकला में प्रथम स्थान सीता सिंह और तृतीय स्थान मुकेश राजवाड़े को चौकी प्रभारी के द्वारा प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम का संचालन एल.पी.तिवारी, आलोक लकडा और कलावती शांडिल्य के द्वारा किया गया।

जिले की तीन स्वास्थ्य संस्थाओं को मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाण-पत्र

-संवाददाता-
कोरिया,29 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

जिले की आयुष्मान आरोग्य मंदिर सागरपुर, बिशुनपुर और सल्का ने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) मूल्यांकन में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाण पत्र प्राप्त किया। यह उपलब्धि राष्ट्रीय गुणवत्ता टीम द्वारा किए गए मूल्यांकन के बाद मिली, जिसमें स्वास्थ्य सेवाओं की व्यापक जांच की गई।

स्वास्थ्य केंद्रों का मूल्यांकन और प्राप्त अंक

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता की जांच के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 12 विभागों एवं विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का मूल्यांकन किया गया। कोरिया जिले की इन तीन स्वास्थ्य संस्थाओं ने उच्च अंक प्राप्त कर अपनी गुणवत्ता सिद्ध की बिशुनपुर - 89.76ः (मूल्यांकन तिथिः 4 जनवरी 2025), सागरपुर - 89.32ः (मूल्यांकन तिथि- 6 जनवरी 2025) और सल्का - 89.00ः (मूल्यांकन तिथिः 18 जनवरी 2025)।

मानकों के आधार पर हुआ मूल्यांकन

कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशन में और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में जिला कार्यक्रम प्रबंधक द्वारा यह मूल्यांकन सुनिश्चित किया गया। इस प्रक्रिया में स्वास्थ्य संस्थानों की क्वालिटी टीम, ब्लॉक स्तर की टीम, अस्पताल स्टाफ एवं मितानिनों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

कोरिया जिला बना प्रदेश में शीर्ष पांच में शामिल

इस उपलब्धि के साथ कोरिया जिला वर्तमान में छत्तीसगढ़ में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। स्वास्थ्य सेवाओं को राष्ट्रीय स्तर के स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) के अनुरूप तैयार किया गया,जिससे यह प्रतिष्ठित एनक्यूएएस प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।

बंधन बैंक के रिकवरी एजेंट से हुई लूट मामले में पुलिस ने 24 घंटे के भीतर तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
कोरबा,29 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

जिले के कटघोरा थाना क्षेत्र मे हुए लूट का खुलासा करते हुए बताया गया के,दिनांक 28 जनवरी 2025 को बैंक रिकवरी एजेंट संजय कुमार यादव जब फील्ड में कलेक्शन कर रहा था तभी आरोपियों ने 15 दिनों की रेकी के बाद उन्हें आछी दादर नान बांका के कच्ची सड़क व निर्माणाधीन रेलवे लाइन के पास घेर लिया। चाकू की नोक पर उन्हें धमकाकर ?42,290 नकद, मोबाइल फोन, मोटरसाइकिल व टेबलेट लूट लिया गया। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी कटघोरा ने तत्काल पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी को अवगत कराया। उनके निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतीश ठाकुर तथा एसडीओपी पंकज ठाकुर के मार्गदर्शन में कटघोरा थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों की पहचान कर टीम के साथ घेराबंदी कर आरोपी 1. राजपाल चौहान (पिता-पीताम्बर चौहान), उम्र-21 वर्ष, निवासी-जमनीमुड़ा, थाना-पाली 2. आशीष चौहान (पिता-स्व. रघुवर सिंह), उम्र-21 वर्ष, निवासी-पखनापारा, लिटियाखार, थाना-दीपका 3. सूरज चौहान (पिता -विश्राम सिंह), उम्र 30 वर्ष, निवासी पखनापारा, लिटियाखार, थाना दीपका को किया गया गिरफ्तार। उक्त आरोपियों से ?42,290 नकद, मोबाइल फोन, टेबलेट, लूटी गई मोटरसाइकिल किया गया बरामद, वहीं पुलिस द्वारा किये गए गहन जांच में घटना में कुल 5 आरोपियों के शामिल होने की पुष्टि हुई। गिरफ्तार किए गए तीन आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया , जबकि शेष दो फरार आरोपियों की तलाश जारी है। साथ ही पुलिस ने की अपील है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना दें। आपकी सतर्कता और सहयोग अपराध रोकने में सहायक सिद्ध होगा।

कलेक्टर व डीआईजी/एसएसपी ने शांतीपूर्ण त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव सम्पन्न कराने दिए निर्देश

-संवाददाता-
सूरजपुर,29 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष, निर्विग्न एवं शांतीपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए मंगलवार, 28 जनवरी 2025 को जिला पुलिस कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर सूरजपुर एस. जयवर्धन एवं डीआईजी/एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर द्वारा थाना-चौकी प्रभारी व कार्यपालिक दण्डाधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए पुलिस सुरक्षा व्यवस्था और तैयारियों की समीक्षा कर बार्डर सुरक्षा के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, साथ ही अंतर्राज्जीय व अंतर जिला सीमा से लगे थानों को भी विशेष सतर्कता बरतने एवं गहनता से चेकिंग करने, किसी भी स्थिति में अवैध वस्तुओं का परिवहन न हो यह सुनिश्चित करने तथा चुनाव के दौरान संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर कड़े सुरक्षा प्रबंध के निर्देश दिए। चुनाव के दौरान प्राप्त होने वाले शिकायत पर पूर्ण निष्पक्षता से जांच कार्यवाही करने एवं चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने वाले सभी तत्वों से सख्ती से निपटने हेतु निर्देशित किया।

कलेक्टर सूरजपुर एस. जयवर्धन ने जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं सुरक्षा के पर्याप्त इंतज़ाम के लिए सभी अधिकारी सजग होकर कार्य करें। उन्होंने प्रशासन व पुलिस अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी अपने क्षेत्रों में असामाजिक तत्वों के द्वारा की जाने वाली वारदातों पर पैनी नजर रखें। किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति की संभावना को देखते ही त्वरित व सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि ऐसे संभावित संदिग्ध व्यक्ति जिनसे मतदान के दौरान व्यवधान उत्पन्न होने की आशंका हो उन्हें पाबंद करने में तेजी लाई जाए। सभी मतदान केन्द्रों पर निरंतर भ्रमण शील रहें। उन्होंने प्रभारियों को कहा कि चुनाव के लिए पर्याप्त मात्रा में पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी की ड्यूटी लगाई गई है जो पूरे जिले में सुरक्षा प्रबंध को पुख्ता करेंगी और कहीं भी समस्या होने पर रिस्पांस टाईम में फौरन वहां पहुंचकर वैधानिक कार्यवाही व व्यवस्था को दुरूस्त बनायेगी। पेट्रोलिंग पार्टी को जिन-जिन मतदान केन्द्रों की जिम्मेदारी सौंपी गई है उन्हें रूट पहले से भ्रमण करने एवं चुनाव ड्यूटी के दौरान सभी पुलिस अधिकारियों को वायरलेस सेट रखने के निर्देश दिए। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, एसडीएम जगरनाथ वर्मा, डिप्टी कलेक्टर चांदनी कंवर, सीएसपी एस.एस.पैंकरा, एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा, एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी, डीएसपी रितेश चौधरी, अनूप एक्का व जिले के सभी थाना-चौकी प्रभारी मौजूद रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै सुकन्या सोनी पति संतोष कुमार सोनी, निवासी- कन्या परिसर रोड,अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 की हूं। मेरी पुत्री का नाम प्रानवी सोनी है जिसका जन्म दिनांक 11/11/2009 है, जिसके सभी दस्तावेजों में उसका नाम प्रानवी सोनी अंकित है जबकि पुत्री के आधार कार्ड में उसका नाम पंखुड़ी सोनी अंकित है, को सुधार कर उसका सही नाम प्रानवी सोनी पढ़ा एवं लिखा जावे

सपथकर्ता
सुकन्या सोनी
पति- संतोष सोनी
पता- कन्या परिसर रोड,
अम्बिकापुर,सरगुजा,छ0ग0

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै अजय कुमार जायसवाल पिता स्व0 केशव प्रसाद जायसवाल निवासी 5/20 बाजार रोड नगर पंचायत प्रतापपुर, थाना व तहसील प्रतापपुर जिला-सूरजपुर छ0ग0 रोड नगर पंचायत प्रतापपुर, थाना व तहसील प्रतापपुर जिला-सूरजपुर जो कि कक्षा 10 वीं वर्ष 1990 में उत्तीर्ण किया है जिसमें नाम SRI AJAY KUMAR JAYSWAM S/O KESHAW PRASAD JAYSWAL लिखा गया है जो त्रुटि पूर्ण है। जबकि वास्तविक एवं सहीं नाम अजय कुमार जायसवाल पिता केशव प्रसाद जायसवाल SRI AJAY KUMAR JAISWAL S/O KESHAW PRASAD JAISWAL के नाम से जाना एवं पहचाना जाये।

सपथकर्ता
अजय कुमार जायसवाल
पिता- केशव प्रसाद जायसवाल
पता- 5/20 बाजार रोड
प्रतापपुर,जिला-सूरजपुर,छ0ग0

क्या विधानसभा हारने के बाद कांग्रेस के अंदर आत्मविश्वास की कमी आ गई है...

विधायक प्रत्याशी बनना है पर जिला पंचायत चुनाव लड़ने से डरना है?

कांग्रेस पूर्व विधायक
अम्बिका सिंहदेव

कांग्रेस पूर्व विधायक प्रत्याशी
वेदांती तिवारी

कोरिया के प्रथम जिला पंचायत अध्यक्ष
यवत सिंह

कांग्रेस विधायक प्रत्याशी के दवेदार
योगेश शुक्ला

कांग्रेस विधायक प्रत्याशी के दवेदार
बिहारी लाला राजवाड़े

वर्तमान भाजपा विधायक की
पुत्री गीता राजवाड़े

वर्तमान भाजपा विधायक की बहु
वंदना राजवाड़े

जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 5 से आखिरकार पूर्व विधायक प्रतिनिधि की पत्नी होंगी कांग्रेस प्रत्याशी,हार तय हुई तो कहलाएंगी बलिदानी?

जो विधायक की टिकट मांगते हैं और जो विधायक प्रत्याशी रह चुके हैं क्या वह जिला पंचायत चुनाव लड़कर अपना जनाधार साबित नहीं कर सकते?

अपनी पार्टी को मजबूत बनाने के लिए क्या कांग्रेसी अपना दमदार परफॉर्मेंस नहीं दे सकते?

विधायक प्रत्याशियों के पास विधायकी लड़ने का जनाधार है और जिला पंचायत लड़ने का जनाधार नहीं है?

जहां विधायक के पास एक विधानसभा होता है वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पूरे जिले के विकास से जुड़े होते हैं फिर भी इस चुनाव को विधायक प्रत्याशी अपने योग्य नहीं मानते?

पूर्व विधायक, पूर्व विधायक प्रत्याशी सहित दावेदारों के जनाधार को कांग्रेस परख सकती थी प्रत्याशी बनाकर

कांग्रेस जिला पंचायत चुनाव के माध्यम से पूर्व विधायक और पूर्व विधायक प्रत्याशी के जनाधार को जिला पंचायत सदस्य का प्रत्याशी बनाकर परख सकती थी। पूर्व विधायक का जहां नवीनतम घर बना है वहां से वर्तमान भाजपा विधायक की पुत्री चुनावी मैदान में हैं और उन्हें हराकर पूर्व विधायक अपना जनाधार बता सकती थीं, वैसे इसमें कोई बात गलत भी नहीं थी क्योंकि पूर्व विधायक मनेंद्रगढ़ अब महापौर के प्रत्याशी हैं और माना जा रहा है कि अप्रत्यक्ष चुनाव होता नगरीय निकाय का वह पार्षद बनकर भी महापौर बनने की जुगत लगाते, इसलिए पूर्व विधायक बैकुंठपुर को भी जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ना था और अपना जनाधार साबित करना था।

-रवि सिंह-
बैकुंठपुर,29 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

भाजपा को मात देने के लिए कांग्रेस को मजबूत होकर जिला पंचायत चुनाव लड़ना चाहिए था, पर भाजपा के सामने जिस प्रकार कांग्रेस प्रत्याशी तय कर रही है उससे तो लग रहा है कि भाजपा बहुत बुरी तरीके से कांग्रेस को हराने वाली है, ऐसा हम नहीं कह रहे ऐसा अब भाजपा कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों का जिला पंचायत चुनाव के लिए प्रत्याशी घोषित होने के बाद चर्चा होने लगा है, जहां भाजपा 5 दिन पहले ही अपने जिला पंचायत प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी थी तो वहीं कांग्रेस ने कोरिया जिले के लिए जिला पंचायत की सूची 28 जनवरी को जारी की, उसमें भी तीन नाम फाइनल नहीं कर पाए सात नाम की ही सूची उन्होंने जारी किया, जिस सूची को देखकर ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस के प्रत्याशी भाजपा प्रत्याशी के सामने बहुत बुरी तरीके से हारने वाले हैं, एक सीट ही ऐसा लग रहा है कि जहां पर भाजपा कांग्रेस की टक्कर होनी है, वह सीट है खड़गवां की क्षेत्र क्रमांक 10 जहां पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष व जिला पंचायत सदस्य के बीच मुकाबला होना है, जबकि भाजपा ने अपने 10 के 10 प्रत्याशी दमदार उतारे हैं,जिसमें से दो तो वर्तमान विधायक के घर के प्रत्याशी हैं, एक बहू है तो दूसरी बेटी है अब इन दोनों के हारने की संभावना तो ना के बराबर मानी जा रही है,वहीं भाजपा की एक प्रत्याशी पूर्व जनपद अध्यक्ष सौभाग्यवती सिंह है यह भी सीट बीजेपी जीतने की स्थिति में है, ऐसे में अब सवाल यह उठने लगा है क्या कांग्रेस उस आत्मविश्वास के साथ चुनाव नहीं लड़ना चाह रही जिस आत्मविश्वास के साथ सिर्फ विधायक प्रत्याशी बनने की दौड़ लगाते है नेता, विधायक प्रत्याशी बनने की दावेदारी तो करने वाले इस चुनाव में जिला पंचायत सदस्य के लिए लड़ने से कतरा रहे हैं स्वयं पूर्व विधायक भी इसमें पीछे हटती दिख रही है, क्योंकि उन्होंने अपने सीट पर अपने पूर्व विधायक प्रतिनिधि की धर्मपत्नी को मौका दिया है एक बार वह तो कुर्बान हो चुकी हैं अब दूसरी बार फिर वह कुर्बानी देने के लिए उतर गए है, जबकि लोगों का मानना था कि इस क्षेत्र से स्वयं पूर्व विधायक को लड़ना था और वर्तमान विधायक की बेटी को हराना था, पर क्या हुआ भयभीत है पूर्व विधायक की बेटी के सामने चुनाव लड़ने से जिस वजह से वह निर्णय नहीं ले पाई? वहीं कांग्रेस के दिग्गज नेता में शुमार होने वाले बिहारीलाल राजवाड़े वर्तमान विधायक की बहू के सामने क्या प्रत्याशी नहीं बन सकते थे? वही अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी करने वाले यवत सिंह को भी कांग्रेस प्रत्याशी नहीं बना पाई? कुछ ऐसा ही रहा कांग्रेस के पूर्व विधायक प्रत्याशी वेदांती तिवारी व सदैव विधायक प्रत्याशी के दौड़ में रहने वाले योगेश शुक्ला के साथ इनका भी नाम अभी तक जिला पंचायत चुनाव के लिए सामने नहीं आ सका है या कहे तो कांग्रेस की प्रत्याशी सूची में यह नाम शामिल नहीं हुए यदि यह सब नाम शामिल होते तो शायद कांग्रेस बीजेपी को जिला पंचायत चुनाव में शिकस्त दे सकती थी।

कांग्रेस ने घोषित किए 7 प्रत्याशी

जिले में पंचायत चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पहले ही सभी 10 सीटों पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर चुकी है, जबकि कांग्रेस ने अब जाकर अपने प्रत्याशियों की सूची जारी की है। हालांकि, कांग्रेस ने अभी भी तीन सीटों पर फैसला नहीं लिया है, जिससे राजनीतिक अटकलें तेज हो गई हैं। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने बताया कि जिला स्तरीय चयन समिति द्वारा तैयार सूची को सर्वसम्मति से पारित कर 7 प्रत्याशियों के नाम तय किए गए हैं। इनमें बैकुण्ठपुर (प्रथम) से श्रीमती अन्नू देवी, बैकुण्ठपुर (द्वितीय) से राजेश सिंह, बैकुण्ठपुर (पंचम) से श्रीमती आशा साहू, सोनहत (प्रथम) से सुरेश सिंह, सोनहत (द्वितीय) से श्रीमती जयवती चेरवा, खड़गवां (प्रथम) से श्रीमती रामबाई और खड़गवां (द्वितीय) से श्रीमती कलावती मरकाम को प्रत्याशी घोषित किया गया है।

तीन सीटों पर अब भी सस्पेंस बरकरार

क्षेत्र क्रमांक 03. 04 और 06 पर कांग्रेस ने अभी तक अपने प्रत्याशी की घोषणा नहीं की है। क्षेत्र क्रमांक 04 में आस्तिक शुक्ला और बिहारी राजवाड़े के बीच कड़ा मुकाबला है, जबकि क्षेत्र क्रमांक 06 से बेदान्ति तिवारी दावेदारी कर रहे हैं। पार्टी जल्द ही इन सीटों पर अंतिम निर्णय ले सकती है।

भाजपा ने पहले ही बना ली बढ़त

भाजपा ने काफी पहले ही अपने सभी 10 प्रत्याशियों की घोषणा कर दी थी, जिससे उसे प्रचार अभियान में बढ़त मिल गई है। पार्टी के प्रत्याशी गांव-गांव में जनसंपर्क कर रहे हैं. जबकि कांग्रेस के कुछ प्रत्याशी अब चुनावी मैदान में उतरेंगे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस की देरी से पार्टी कार्यकर्ताओं में असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

राजनीतिक माहौल गरमाया

भाजपा और कांग्रेस दोनों ही अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत झोंक रहे हैं। कांग्रेस में जहां अभी भी कुछ सीटों को लेकर मंथन जारी है. वहीं भाजपा अपने प्रत्याशियों को लेकर पूरी तरह मैदान में उतर चुकी है। आने वाले दिनों में दोनों दलों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा।

अगले विधानसभा से पहले विधायक प्रत्याशियों व दावेदारों की ली जा सकती थी परीक्षा

कांग्रेस के लिए यह चुनाव काफी महत्वपूर्ण और एक प्रयोग हो सकता था और वह प्रयोग अगले विधानसभा चुनाव से पहले का एक प्रयोग परीक्षा उनका हो सकता था जो लगातार विधायक के लिए दावेदारी प्रस्तुत करते हैं पार्टी में। पार्टी को उन्हें जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़वाना था जो लगातार विधायक की टिकट की मांग करते हैं,वहीं उन्हें उन उन सीटों से लड़वाना था जहां जहां वह नेता प्रभावशाली हैं और वहां का निवासी हैं। चुनाव लड़वाकर पार्टी को यह आंकलन कर लेना था कि कौन जीतकर आता है पार्टी के लिए कौन अपनी भी साख दाव पर लगाता है और उनमें से किसी एक को टिकट के लिए विधायक की तय करना था।

बीजेपी जीतने के लिए लड़ रही है और कांग्रेस अपने प्रत्याशी कुर्बान करने के लिए उतर रही?

भाजपा जहां जिला पंचायत का चुनाव जीतने के लिए लड़ रही है वहीं कांग्रेस कुर्बानी देने लड़ रही है चुनाव वह भी उन कार्यकर्ताओं की जो समर्पित और कर्मठ हैं और जिन्हें तब मौका नहीं देती पार्टी जब उनकी सरकार होती। भाजपा ने बड़ी समझदारी से अपने प्रत्याशी घोषित किए हैं और वह उसी अनुरूप उन्हें जीत दिलाने प्रयासरत है। कांग्रेस और भाजपा दोनों की स्थिति में कांग्रेस की रणनीति विफल मानी जा रही है।

विधायक का चुनाव लड़ने वाले क्या जिला पंचायत चुनाव लड़ने से घबरा रहे?

विधायक का टिकट कांग्रेस में हर कोई मांगता है लेकिन अब जब जिला पंचायत की बारी आई कोई सामने नहीं आ रहा है। अब ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि कांग्रेस में सभी के पास केवल विधायक बनने के जनाधार है जिला पंचायत सदस्य का जनाधार किसी के पास नहीं है। वैसे यह बड़ा विचित्र मामला है कि विधायक का ख्वाब देखने वाला जिला पंचायत के लायक अपना जनाधार नहीं मानता।

निर्वाचन पर्यवेक्षक यामिनी पांडेय गुप्ता ने नगर पंचायत पटना का किया दौरा

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर/पटना,29 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक श्रीमती यामिनी पांडेय गुप्ता नगर पंचायत पटना में निर्वाचन कार्यों की समीक्षा की। बता दें पहली बार पटना नगर पंचायत बनने के बाद निर्वाचन हो रहा है। निर्वाचन को लेकर स्थानीय लोगों में बेहद उत्साहित हैं। पटना नगर पंचायत में अध्यक्ष व 15 वार्डो में पार्षद पदों के लिए चुनाव होंगे। अध्यक्ष पद के लिए 6 और पार्षद पद के लिए 64 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया था। आज नामांकन फार्म की संवीक्षा के बाद अध्यक्ष पद के लिए 6 और पार्षद पदों के 63 उम्मीदवारों का फार्म सही पाया गया है। बता दें पटना में नगर पंचायत अध्यक्ष के लिए महिला सामान्य सीट आरक्षित है। पर्यवेक्षक श्रीमती यामिनी पांडेय गुप्ता ने नगर पंचायत पटना पहुंच कर नामांकन प्रक्रिया के सम्बंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संवीक्षा के दौरान सभी फार्मो का बारीकी से परीक्षण किया। संवीक्षा के दौरान अपर कलेक्टर डी.डी. मण्डावी, रिटर्निंग अधिकारी उमेश पटेल, सहायक रिटर्निंग अधिकारी श्री प्रतीक जायसवाल व अन्य अधिकारी मौजूद थे।

समस्त नगर पंचायतों में किया जा रहा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

-संवाददाता-
एमसीबी,29 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार नगरीय निकाय आम निर्वाचन 2025 के तहत जाबो (जागव-वोटर) कार्यक्रम के तहत लोगों को मतदान की प्रक्रिया की जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम में ईवीएम प्रदर्शन और प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर्स द्वारा कराया जा रहा है। जिसमें आज जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़, नगर पालिका परिषद एवं अन्य नगर पंचायतों में भी ईवीएम प्रदर्शन और प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जिला मुख्यालय में उपस्थित मास्टर ट्रेनर रंजीता बड़ा एवं रितेश महतो के बतायें अनुसार 183 मतदाताओं द्वारा प्रशिक्षण लिया गया। जिसमें विनीत जायसवाल, विवेक अग्रवाल और अन्य मतदाताओं ने प्रशिक्षण लिया गया। इसी क्रम में आज नगरपालिका निगम चिरमिरी, नगर पालिका परिषद् मनेंद्रगढ़ के वार्ड क्रमांक 03 में मास्टर ट्रेनर श्रीमती नम्रता सिंह एवं सूची पाण्डेय के द्वारा 60 वोटरों को प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें वार्ड के सुभद्राबाई, घनश्याम दास, लीलाधर केवट, यमुना बर्मन और अन्य मतदाताओं द्वारा प्रशिक्षण लिया गया। वहीं दूसरी तरफ मनेन्द्रगढ़ के ही वार्ड क्रमांक 4 में भी जाबो (जागव-वोटर) कार्यक्रम के तहत 50 वोटरों को प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें वार्ड के वीरेंद्र कुमार, सूरज प्रसाद और अन्य मतदाताओं द्वारा प्रशिक्षण लिया गया। इसी प्रकार जिले में स्थित नगर पंचायत नई लेदरी एवं नगर पंचायत झगराखांड के कार्यालय में भी ईवीएम का प्रदर्शन कर लोगों को जागरूक किया गया। जिसमें नगर पंचायत नई लेदरी के मास्टर ट्रेनर डॉ. अमूल्य चंद्र झा के बताए अनुसार 66 वोटरों को प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें प्रेमलाल, संतोष, रेखा बोराल सहित अन्य मतदाताओं द्वारा प्रशिक्षण लिया गया। वहीं दूसरी तरफ नगर पंचायत झगराखंड के मास्टर ट्रेनर सुरेंद्र जायसवाल एवं पारसमणि ने बताया कि उनके यहां 70 वोटरों को प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें दिलीप सिंह, उमेश कुमार, अजय सिंह सहित अन्य मतदाताओं को प्रशिक्षण दिया गया।

CMYK

हार्दिक पांड्या का जलवा जारी

» धाकड़ खेल से आईसीसी रैंकिंग में नंबर वन

नई दिल्ली,29 जनवरी 2025। भारत और इंग्लैंड के बीच कड़ाकेदार सीरीज जारी है। अभी तक सीरीज के तीन मैच हो चुके हैं, जिसमें से दो मैच भारत ने और एक मैच इंग्लैंड की टीम ने जीता है। वैसे तो भारत को सीरीज जीतने के लिए एक ही मुकाबला जीतना है, लेकिन बाजी कब पलट जाए, कहना मुश्किल है। अभी दो मैच बाकी हैं और आईसीसी की ओर से नई टी20 की रैंकिंग जारी कर दी गई है। अभी कुछ दिन पहले तक टीम इंडिया के टी20 कप्तान रहे हार्दिक पांड्या नंबर एक बन चुके हैं। यहां हम ऑलराउंडर्स की बात कर रहे हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में गेंदबाजी से जलवा दिखा रहे हैं हार्दिक

आईसीसी की ओर से इस बार जो रैंकिंग जारी की गई है, उसमें टी20 इंटरनेशनल की रैंकिंग में ही ज्यादा बदलाव नजर आ रहे हैं। इसी एक सप्ताह के भीतर भारत और इंग्लैंड के बीच की सीरीज के तीन मैच हो गए हैं। अब बात अगर हार्दिक पांड्या की करें तो तीनों मैचों में उन्हें खेलने का मौका मिला। वे बैट से तो कुछ ज्यादा

कमाल नहीं कर पाए, लेकिन गेंदबाजी करते वक्त वे दूसरे पेसर रहे। यही कारण है कि आईसीसी की टी20 रैंकिंग में वे टॉप के ऑलराउंडर बने हुए हैं। उनकी रेटिंग इस वक्त 255 की है।

हार्दिक पांड्या ऑलटाइम हाई रेटिंग के करीब पहुंचे

हार्दिक पांड्या ने साल 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए मैच के बाद अपनी ऑलटाइम हाई रेटिंग हासिल की थी, अब वे फिर से उसके काफी करीब पहुंच चुके हैं। तब उनकी रेटिंग 266 की थी और अब 255 की है। यानी अगर इंग्लैंड के खिलाफ बचे हुए दो और मैचों में भी हार्दिक पांड्या ने बैट और बॉल से अपना कमाल दिखाया, जिसके लिए वे जाने और पहचाने जाते हैं तो फिर वे 266 से भी ज्यादा की रेटिंग हासिल कर सकते हैं।

ऐसा रहा है हार्दिक का मौजूदा सीरीज में प्रदर्शन

इंग्लैंड के खिलाफ जारी सीरीज के पहले मैच में हार्दिक पांड्या ने चार ओवर में 42 रन देकर दो विकेट हासिल किए थे। वहीं जब वे बल्लेबाजी के लिए आए तो चार बॉल पर तीन रन बनाकर नाबाद गए। दूसरे टी20 मुकाबले में उन्होंने दो ओवर में केवल 6 रन देकर एक सफलता हासिल की और 6 बॉल पर सात रन बनाए। ये दोनों मैच भारतीय टीम जीतने में भी कामयाब रही। बात अगर तीसरे मैच की करें तो वहां पर हार्दिक पांड्या ने चार ओवर में 33 रन देकर दो विकेट फिर चटका दिए और बल्लेबाजी करते वक्त 35 बॉल पर 40 रन बनाए। हालांकि इस मैच में वे अपनी टीम को जीत दिलाने में कायमाब नहीं हो पाए।

आईपीएल 2025 से पहले इस टीम ने लॉन्च की अपनी नई जर्सी

नई दिल्ली,29 जनवरी 2025। इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल के 18वें सीजन की शुरुआत मार्च के तीसरे सप्ताह से हो सकती है, जिसको लेकर अभी से सभी 10 फ्रेंचाइजियों ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। साल 2024 के आखिर में आईपीएल के आगामी सीजन को लेकर मेगा प्लेयर ऑक्शन भी कराया गया था, जिसके बाद सभी टीमों में कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। इसी में एक नाम आईपीएल के पहले सीजन की विजेता टीम राजस्थान रॉयल्स का भी शामिल है, जिन्होंने साल 2025 के आईपीएल सीजन के लिए अपनी नई जर्सी से पर्दा उठा दिया है, जिसमें कोई खास अधिक बदलाव देखने को नहीं मिला है।

राजस्थान रॉयल्स की जर्सी में दिया गुलाबी शहर का रंग

राजस्थान रॉयल्स टीम की तरफ से आईपीएल 2025 को लेकर लॉन्च की गई अपनी नई जर्सी के वीडियो में गुलाबी शहर की झलक साफतौर पर देखने को मिली। फ्रेंचाइजी की तरफ से पोस्ट किए गए वीडियो में बताया गया कि इस नई जर्सी में राजस्थान के कण-कण के इतिहास की झलक देखने को मिलेगी। इस वीडियो में राजस्थान रॉयल्स टीम के नए हेड कोच राहुल द्रविड़ भी नई जर्सी में दिखाई दिए तो वहीं इसके अलावा टीम का हिस्सा रह चुके कई बड़े नाम जिसमें शेन वॉर्न, शेन वॉटसन, स्टीव स्मिथ, जोस बटलर के अलावा रविचंद्रन अश्विन का भी नाम उन्होंने अपनी नई जर्सी के लॉन्च वीडियो में दिखाया है।

आईपीएल 2025 में काफी बदली हुई नजर आएगी राजस्थान रॉयल्स

संजू सैमसन की कप्तानी में आगामी सीजन में खेलने वाली राजस्थान रॉयल्स टीम का पिछले 2 सीजन में प्रदर्शन तो बेहतर देखने को मिला लेकिन टीम दूसरी बार खिताब जीतने का अपना सपना पूरा करने में कामयाब नहीं हो सकी। ऐसे में आईपीएल 2025 में उनकी टीम में कुछ बड़े बदलाव भी देखने को मिलेंगे, जोफ्रा आर्चर जहां एकबार फिर से राजस्थान रॉयल्स की टीम का हिस्सा बन गए हैं तो वहीं नितीश राणा भी टीम का हिस्सा हैं।

राजस्थान रॉयल्स का आईपीएल 2025 के लिए स्क्वॉयड

संजू सैमसन (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, शिमरोन हेटमायर, जोफ्रा आर्चर, महेश तीक्ष्णा, वानिंदु हसरंगा, आकाश मढवाल, कुमार कार्तिकेय, नीतीश राणा, तुषार देशपांडे, शुभम दुबे, युद्धवीर चरक, फज़लहक फारूकी, क्वेना मफाका, अशोक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी।

दिल्ली और रेलवे के बीच रणजी मुकाबले में विराट पर रहेंगी निगाहें

नई दिल्ली,29 जनवरी 2025। नई दिल्ली में हाल ही में सर्दी के दिनों में, सुबह की ठंड के चले जाने के बाद सूरज की रोशनी तेज हो गई है। लोग विटामिन डी के सेवन के लिए सर्दियों की धूप में बैठे हैं, वहीं राष्ट्रीय राजधानी के क्रिकेट प्रशंसक गुरुवार से अरुण जेटली स्टेडियम में धूप का आनंद लेंगे।

रणजी ट्रॉफी के नॉकआउट में प्रवेश करने की बहुत कम गणितीय संभावना के साथ, दिल्ली गुरुवार से शुरू होने वाले सीजन के अपने अंतिम ग्रुप डी मुकाबले में रेलवे का सामना करेगी। उनकी नॉकआउट की उम्मीदें कई अनुकूल परिणामों पर टिकी हैं, लेकिन स्टेडियम में उमडऩे वाले प्रशंसकों का ध्यान आने वाले चार दिनों में करिश्माई विराट कोहली के बल्लेबाजी प्रदर्शन पर रहेगा।

आईसीसी रैंकिंग में भयंकर उलटफेर

» तिलक वर्मा ने रच दिया इतिहास

नई दिल्ली,29 जनवरी 2025। भारत और इंग्लैंड के बीच अभी टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज जारी है। इसी दौरान आईसीसी की ओर से नई रैंकिंग जारी कर दी गई है। इस बार की टी20 रैंकिंग में कई सारे उलटफेर दिखाई दे रहे हैं। खास तौर पर टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज तिलक वर्मा ने इतिहास रचने का काम कर दिया है। उन्होंने एक ही स्थान की छलांग लगाई है, इसके साथ ही अब वे दूसरे नंबर की कुर्सी पर काबिज हो गए हैं।

आईसीसी की टी20 रैंकिंग में ट्रेविस हेड नंबर एक बल्लेबाज

आईसीसी की ओर से जारी की गई नई रैंकिंग में ट्रेविस हेड की नंबर वन की कुर्सी पर काबिज हैं। उनकी रेटिंग इस वक्त 855 की है। इस बीच तिलक वर्मा एक स्थान की छलांग मारकर सीधे नंबर दो पर पहुंच गए हैं। उनकी रेटिंग अब बढ़कर सीधे 832 की हो गई है। तिलक वर्मा पहली बार आईसीसी की टी20 रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंचे हैं। हालांकि भारत और इंग्लैंड के बीच चेन्नई में खेले गए दूसरे मैच के बाद उन्होंने 844 तक की रेटिंग हासिल कर ली थी, लेकिन तीसरे मैच में ज्यादा रन ना बना पाने और आउट होने की वजह से उनकी रेटिंग कम होकर 832 की है। इसके बाद भी वे अब ट्रेविस हेड के काफी करीब पहुंच गए हैं और उनकी नंबर एक की कुर्सी पर खतरा भी बढ़ गया है।

सूर्यकुमार यादव और जॉस बटलर की रैंकिंग में नहीं हुआ कोई बदलाव

इस बीच भारत बनाम इंग्लैंड सीरीज में अपने बल्ले से कोई कमाल ना दिखा पाने वाले इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट को एक स्थान का नुकसान उठाना पड़ा है। वे अब 782 की रेटिंग के साथ नंबर तीन पर चले गए हैं। टॉप 5 में फिलहाल तो यही बदलाव हुआ है, लेकिन ये है काफी बड़ा। इस बीच भारत के सूर्यकुमार यादव 763 की रेटिंग के साथ नंबर चार पर हैं। उनकी रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जॉस बटलर 749 की रेटिंग के साथ नंबर पांच पर ही बने हुए हैं। इसके बाद नंबर छह पर बाबर आजम और नंबर सात पर पथुम निसंका हैं।

मोहम्मद रिजवान को फायदा, यशस्वी जायसवाल नीचे गए

बड़ी बात ये है कि पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान को बिना खेले ही एक स्थान का फायदा हुआ है, वहीं भारत के यशस्वी जायसवाल भी नहीं खेले हैं, लेकिन वे एक स्थान नीचे चले गए हैं। मोहम्मद रिजवान 704 की रेटिंग के साथ नंबर 8 और यशस्वी जायसवाल 685 की रेटिंग के साथ नंबर 9 पर चले गए हैं। श्रीलंका के कुशल परेरा 675 की रेटिंग के साथ नंबर दस पर बने हुए हैं।

उस्मान ख्वाजा ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में हासिल किया नया मुकाम

» बाबर आजम देखते ही रह गए

मेलबर्न,29 जनवरी 2025। श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज का आगाज हो चुका है, इसके साथ ही ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने नए नए कीर्तिमान बनाने का सिलसिला भी शुरू कर दिया है। पहले दिन टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने बल्लेबाजी का फैसला किया। ओपनिंग के लिए ट्रेविस हेड और उस्मान ख्वाजा आए, दोनों ने मिलकर कमाल की बल्लेबाजी कर अच्छी शुरुआत दी। ट्रेविस हेड तो आउट हो गए, लेकिन उस्मान ख्वाजा टिके रहे और उन्होंने अपना शतक पूरा किया। इसके बाद भी उनकी बल्लेबाजी जारी रही और कुछ ही देर बाद उन्होंने पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम को भी पीछे छोड़ दिया।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में उस्मान ने पूरे किए तीन हजार रन

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज जो रूट हैं। उन्होंने पांच हजार से ज्यादा रन बनाए हैं। उनके तो आसपास भी अभी तक कोई नहीं है। लेकिन इस टेस्ट टूर्नामेंट में तीन हजार रन भी गिने चुने बल्लेबाजों ने बनाए हैं। अब

डब्ल्यूटीसी में तीन हजार रन बनाने वाले उस्मान ख्वाजा छठे बल्लेबाज बन गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने बाबर आजम को भी पीछे कर दिया है।

बाबर आजम से आगे निकले उस्मान

बाबर आजम ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में अब तक 36 मैच खेलकर 2998 रन बनाए हैं, यानी वे केवल दो रन से तीन हजार रन पूरे करने से चूक गए। आज शतक पूरा करने के बाद उस्मान ख्वाजा ने पहले बाबर आजम को पीछे करने का काम किया और इसके तुरंत बाद तीन हजार रन भी पूरे कर लिए। उस्मान ख्वाजा ने अब तक 38 मैच ही डब्ल्यूटीसी में खेले हैं। उनका औसत करीब 47 का है और वे 47 के आसपास के स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया को डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंचाने के लिए अहम है ये सीरीज

श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जा रही है। ये विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है। हालांकि इस सीरीज की जीत हार से कोई भी असर पड़ेगा। जहां एक ओर ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले ही डब्ल्यूटीसी के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुकी है, वहीं श्रीलंकाई टीम बाहर है। लेकिन इतना जरूर है कि ऑस्ट्रेलिया अगर इस सीरीज को जीत जाती है तो उसके पास मौका होगा कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में साउथ अफ्रीका को पीछे छोड़ पहले नंबर पर पहुंच जाएगी। ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच जून में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेला जाएगा।

कप्तानी संभालते ही गरजा स्टीव स्मिथ का बल्ला

» एक झटके में छोड़ा गावस्कर और लारा सहित इन दिग्गजों को पीछे

मेलबर्न,29 जनवरी 2025। श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया की टीम के बीच 2 मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 29 जनवरी को गॉल के स्टेडियम में पहले मुकाबले के शुरू होने के साथ हो गया। इस सीरीज में कंगारू टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी स्टीव स्मिथ संभाल

रहे हैं, जिन्होंने टॉस जीतने के साथ पहले बल्लेबाजी का फैसला लेने में बिल्कुल भी देरी नहीं लगाई और इसे उनके बल्लेबाजों ने पहले दिन के खेल में पूरी तरह से सही भी साबित किया जिसमें खुद स्मिथ का नाम भी शामिल है। गॉल टेस्ट के पहले दिन के आखिर सेशन में स्टीव स्मिथ अपने टेस्ट करियर का 35वां शतक लगाने में कामयाब रहे, जिसके साथ ही उन्होंने कई दिग्गजों को एकसाथ पीछे भी छोड़ने का काम किया।

स्टीव स्मिथ ने सुनील गावस्कर और ब्रायन लारा सहित इन चार दिग्गजों को छोड़ा पीछे

स्टीव स्मिथ का एकबार फिर से कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने के साथ बल्ले से अपने उसी पुराने रूप में दिखाई दिए। भारत के खिलाफ इस साल की शुरुआत में सिडनी में खेले गए टेस्ट मुकाबले में स्मिथ बल्ले से कुछ खास नहीं कर पाए थे, लेकिन श्रीलंका दौरे पर पहुंचने के साथ स्मिथ ने 35वां टेस्ट शतक लगाते हुए एकसाथ कई दिग्गजों को पीछे छोड़ने का काम किया। स्टीव स्मिथ अब टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले प्लेयर्स की लिस्ट में 7वें नंबर पर पहुंच गए हैं, जिसमें अब वह अगला शतक लगाते ही दिग्गज भारतीय खिलाड़ी राहुल द्रविड़ की बराबरी कर लेंगे। स्मिथ ने अपने 35वें टेस्ट शतक के दम पर सुनील गावस्कर, ब्रायन लारा, यूनिस खान और महेला जयवर्धने को एक झटके में पीछे छोड़ने का काम किया।

ये हैं सबसे ज्यादा हिट देने वाले स्टार

पिछले दिनों रिलीज हुई अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 ने बॉक्स ऑफिस पर खूब धमाल मचाया। हर साल ही कई फिल्में रिलीज होती हैं, जिनके साथ नए-नए रिकॉर्ड बनते-बिगड़ते रहते हैं। हिंदी सिनेमा के 100 सालों से ज्यादा के इतिहास में कई स्टार आए और गए, लेकिन क्या आप बॉलीवुड के उन स्टार्स के बारे में जानते हैं, जिन्होंने बॉलीवुड को सबसे ज्यादा हिट फिल्में दी हैं।

लिस्ट में पहले नंबर पर शोले, धरम करम, आन मिलो सजना, दोस्ती, तहलका जैसी हिट फिल्में देने वाले धर्मेंद्र हैं। धर्मेंद्र 80 के दशक के सबसे पॉपुलर सितारों में से थे, जिन्होंने अपने 5 दशक से फिल्मी करियर में 300 से ज्यादा फिल्में कीं। ही मैन यानी धर्मेंद्र के नाम 98 हिट फिल्में देने का रिकॉर्ड है।

दूसरे नाम पर है जंपिंग जैक के नाम से मशहूर जितेंद्र का। उन्होंने 1964 में गीत गाया पत्थरों ने से बॉलीवुड में कदम रखा था। जितेंद्र ने अपने करियर में 200 से ज्यादा फिल्मों में काम किया, जिनमें से 69 फिल्में हिट रहीं।

लिस्ट में तीसरे नंबर सदी के महानायक अमिताभ बच्चन का नाम है। अमिताभ अपने करियर के शुरुआती दौर में काफी परेशान रहे, लेकिन बाद में कई हिट फिल्में दीं। 60 सालों से फिल्मी दुनिया में एक्टिव अमिताभ ने अपने करियर में 63 हिट फिल्में दी हैं।

लिस्ट में चौथा नाम मिथुन चक्रवर्ती का है। डिस्को डांसर ने 80 के दशक में फिल्मी दुनिया में कदम रखा था और उनकी किस्मत सुभाष घई की फिल्म डिस्को डांसर के साथ चमकी। इस फिल्म के बाद इंडस्ट्री का हर फिल्ममेकर उन्हें कास्ट करना चाहता था। उन्होंने अपने करियर में 350 से ज्यादा फिल्मों में काम किया, जिनमें से 58 हिट रहीं।

लिस्ट में राजेश खन्ना का नाम भी शामिल है। उन्होंने एक के बाद एक 17 सुपरहिट फिल्में दीं और बॉलीवुड के पहले सुपरस्टार कहलाए। 1966 से अपने करियर की शुरुआत करने वाले राजेश खन्ना ने कुल 166 फिल्मों में काम किया, जिनमें से 57 फिल्में हिट रहीं।

लिस्ट में छठे नंबर पर बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार का नाम है। अक्षय कुमार की करियर की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही, लेकिन फिर उन्होंने जो रफ्तार पकड़ी उसके आगे बड़े-बड़े स्टार फीके पड़ने लगे। अपने 30 साल के करियर में अक्षय करीब 150 फिल्में कर चुके हैं, जिनमें से 43 फिल्में हिट रहीं।

9 फरवरी से नेटफ्लिक्स पर होगी स्ट्रीम

साउथ सिनेमा के दिग्गज एक्टर नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म डाकू महाराज इन दिनों सिनेमाघरों में दर्शकों का खूब मनोरंजन कर रही है। तेलुगु भाषा में बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने वाली डाकू महाराज हाल ही में हिंदी वर्जन में भी सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस फिल्म की कहानी और स्टार कास्ट की एक्टिंग की खूब चर्चा हो रही है। इसी बीच डाकू महाराज की ओटीटी रिलीज को लेकर सुर्खियां तेज हो गई हैं। ऐसे में हम आपको बताने जा रहे हैं कि यह फिल्म कब और कहां

सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर धूम मचाने के लिए तैयार है डाकू महाराज

ऑनलाइन रिलीज हो सकती है।12 जनवरी को डायरेक्टर बॉबी कोहली के निर्देशन में बनी डाकू महाराज बड़े पर्दे पर रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपने धमाकेदार प्रदर्शन से सभी को चौंका दिया था। हाल ही में 24 जनवरी को फिल्म का वर्जन हिंदी बेल्ट में सिल्वर स्क्रीन पर आया है, जिसे लेकर फैंस में जबरदस्त क्रेज देखा जा रहा है।इसके अलावा फिल्म की ओटीटी रिलीज को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। वेबसाइट 123 तेलुगु ने इस मामले में ताजा अपडेट देते हुए बताया है कि डाकू महाराज मशहूर ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर ऑनलाइन रिलीज होगी। रिपोर्ट के मुताबिक यह फिल्म 9 फरवरी 2025 को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम की जा सकती है। ऐसे में जिन सिने प्रेमियों ने अब तक यह फिल्म नहीं देखी है, वे फरवरी में घर बैठे इसका लुत्फ उठा सकते हैं। हालांकि, डाकू महाराज की ओटीटी रिलीज की आधिकारिक घोषणा अभी मेकर्स की ओर से नहीं की गई है। लेकिन इस खबर ने फैंस की एक्साइटमेंट काफी बढ़ा दी है।डाकू महाराज के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर नजर डालें तो अब तक इस फिल्म ने रिलीज के 15 दिनों में 86 करोड़ से ज्यादा का कारोबार कर लिया है। जबकि डाकू महाराज की वर्ल्डवाइड कमाई 160 करोड़ के करीब पहुंच गई है, जो यह बताने के लिए काफी है कि इस फिल्म ने वाकई दर्शकों का दिल जीत लिया है। आपको बता दें कि नंदमुरी बालकृष्ण की इस फिल्म में बॉलीवुड एक्टर बॉबी देओल ने निगेटिव रोल निभाया है।

CMYK

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने रेल मंत्री को लिखा पत्र,महाकुंभ के लिए विशेष ट्रेन की मांग

रायपुर,29 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को प्रयागराज महाकुंभ में स्नान हेतु सुगम यात्रा सुविधा देने के लिए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रायपुर मंडल के डीआरएम को पत्र लिखकर विशेष ट्रेन संचालित करने की मांग की है।सांसद अग्रवाल ने बताया कि उनके लोकसभा क्षेत्र से बड़ी संख्या में श्रद्धालु महाकुंभ जाने के इच्छुक हैं, लेकिन सीमित रेल सुविधाओं के कारण यात्रियों को लंबी प्रतीक्षा सूची और असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की है कि रायपुर या दुर्ग से प्रयागराज तक विशेष ट्रेन चलाई जाए, ताकि श्रद्धालुओं को महाकुंभ स्नान का लाभ मिल सके।

निकाय चुनाव लड़ रहे कांग्रेस प्रत्याशियों को मिल रही धमकी

भूपेश ने लगाया आरोप

रायपुर,29 जनवरी 2025(ए)। निकाय चुनाव के बीच पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने गंभीर आरोप लगाया है। बघेल ने दावा किया है कि कल नगर पंचायत के

लिए नामांकन खत्म हुए और कांग्रेस प्रत्याशियों को धमकी देने का सिलसिला शुरु हो गया है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को काम धंधे बंद करवा देने की धमकियां भी दी जा रही हैं। युवा कार्यकर्ताओं को पैसे देकर बरगलाने की कोशिशें हो रही हैं। धमकी चमकी के इस भाजपाई कारनामे में छुटभैये नेताओं से लेकर सांसद तक शामिल हैं। मुख्यमंत्री जी क्या आपको अपने गृहनगर तक में हार का डर सता रहा है?या अब यही भाजपा की चुनावी रणनीति है। बहरहाल, कांग्रेस का नारा अब भी यही है-डरो मत। हम लड़ेंगे और जीतेंगे।

निजी हॉस्पिटल अपशिष्ट प्रबंधन के लिए सेल्फ सर्टिफिकेशन कर सकेंगे

रायपुर,29 जनवरी 2025(ए)। निजी अस्पताल अब जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन के लाइसेंस के लिए सेल्फ सर्टिफिकेशन कर सकेंगे । यह व्यवस्था एक जनवरी से लागू कर दी गई है। इसके लिए आईएमए के पूर्ववर्ती अध्यक्ष डॉ राकेश गुप्ता और कार्यकारिणी ने बड़ी पहल की थी। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल नया रायपुर अटल नगर ने संचालक स्वास्थ्य सेवाओं को पत्र भेजकर जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 के आधार पर स्वत नवीनीकरण संबंध में पत्र लिखकर 1 जनवरी 25 से प्रभावशील होने की जानकारी दी है।

चेतन बोरघरिया ने अपनी 2 बहनों को बनाया डिप्टी कलेक्टर और वन अधिकारी

रायपुर,29 जनवरी 2025(ए)। सीजीपीएससी घोटाले में फंसे भूपेश बघेल के पूर्व ओएसडी चेतन बोरघरिया की गिरफ्तारी कभी भी हो सकती है। अब इस मामले में एक और खुलासा हुआ है कि चेतन बोरघरिया ने अपनी दो सगी बहनों को डिप्टी कलेक्टर और सहायक वन संरक्षक के पद पर चयनित कराया है।

छत्तीसगढ़ में इनकम टैक्स का बड़ा छापा

- पांच राज्यों से पहुंची है 200 टीआई अधिकारियों की टीम
- छत्तीसगढ़ में 22 ठिकानों पर दी है दबिश
- टैक्स चोरी का है मामला
- छत्तीसगढ़ में आज दिनभर चली आयकर विभाग की बड़ी कार्रवाई
- पांच राज्यों से पहुंची है आयकर विभाग की टीम
- 22 से अधिक ठिकानों पर चल रही छापेमारी

रायपुर,29 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा व आंध्रप्रदेश में आयकर विभाग ने बुधवार को राइस मिलर व ब्रोकर के 25 ठिकानों पर एक साथ छापा मारा है। टीम को अलग-अलग स्थानों से अब तक डेढ़ करोड़ रुपये और 12 लाकर मिले हैं। चावल कारोबारियों के यहां से ज्वेलरी भी मिली है।

जांच टीम ने बुधवार को रायपुर, राजनांदगांव, भिलाई, तिल्दा के साथ महाराष्ट्र के गोंदिया, ओडिशा सहित आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में भी छापा मारा। कच्चे में करोड़ों रुपये के लेनदेन के मामले में यह कार्रवाई चल रही है। रायपुर में सत्यम बालाजी राइस इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड और साईं हनुमंत ग्रूप से जुड़े सड्डू स्थित राइस मिल के अलावा उनके कई अन्य ठिकानों सहित ब्रोकर के यहां छापे की कार्रवाई की है। कार्रवाई में छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र और तेलंगाना के दो सौ से अधिक आयकर अधिकारी शामिल हैं।

टीम ने सड्डू स्थित जिस राइस मिल में छापे की कार्रवाई की है, उसी परिसर में छह अन्य राइस मिल संचालित होने की बात सामने आई है। इसी के साथ ही सड्डू मार्ग पर सत्यम बालाजी से जुड़े एक कार शोरूम में आईटी की टीम ने दबिश दी है। कार्रवाई के दौरान 30 बैंक पासबुक और लाकर मिलने की बात सामने आई है।

खातों में कच्चे में करोड़ों का लेनदेन किया गया है। चावल कारोबारियों द्वारा ब्रोकर के माध्यम से विदेश में चावल निर्यात किया जाता था। इसके दस्तावेज मिले हैं। ब्रोकरों के माध्यम से सेल कंपनी बनाकर निर्यात किए जाने की बात सामने आई है। आयकर की टीम सुबह पांच बजे छापा मारने पहुंची।

सत्यम बालाजी ग्रूप पर कार्रवाई

रायपुर में इनकम टैक्स विभाग की टीम ने सत्यम बालाजी ग्रूप के ठिकानों पर सुबह से छानबीन शुरू की। दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है, जिससे संभावित टैक्स चोरी का पता लगाया जा सके।सूत्रों के मुताबिक, आईटी टीम ने रायपुर के रामसागरपारा, राठौर चौक और जवाहर मार्केट स्थित व्यापारियों के आवास और कार्यालयों में दबिश दी है। बड़ी संख्या में आयकर विभाग के अधिकारी जांच कार्य में लगे हुए हैं। फिलहाल जांच जारी है।

छत्तीसगढ़ में इन जगहों पर चल रही छापेमारी की कार्यवाही

आयकर विभाग की टीम ने सत्यम बालाजी राइस मिल ग्रूप और इससे जुड़े कई कमीशन एजेंट के ठिकानों पर बुधवार की सुबह छापा मारा है। इसमें रायपुर, गोंदिया, काकीनाडा समेत कुल 22 ठिकानों पर आयकर विभाग की टीम जांच कर रही है। जिसमें रायपुर के राजीव नगर स्थित घर, जवाहर मार्केट स्थित ऑफिस, राठौर चौक स्थित गोदाम, कमीशन एजेंट के ऑफिस और रिंग रोड स्थित जगवार शोरूम समेत भानपुरा के राइस मिल पर आयकर विभाग की जांच जारी है।

इनकम टैक्स की इस बड़ी कार्यवाही में 200 से ज्यादा अधिकारी शामिल

जानकारी के मुताबिक इस पूरी जांच में आयकर विभाग के करीब 200 से ज्यादा अधिकारी शामिल है। जिसमें मध्य प्रदेश, महाराष्ट्रऔर ओडिशा समेत तेलंगाना के आयकर विभाग के अधिकारी संयुक्त रूप से कार्रवाई कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि इनके द्वारा ज्यादातर काम नगदी में किया जा रहा था। जिसमें बड़े स्तर पर टैक्स चोरी की शिकायत मिली थी। जिसके बाद आयकर विभाग की टीम मौके पर पहुंच कर जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि आईटी के अधिकारी दस्तावेजों और तकनीकी साक्ष्य को जुटाने पर जुटे हुए हैं। इस कार्रवाई से हड़कंप मचा है। बताया जा रहा है कि इसमें करोड़ों की टैक्स चोरी का खुलासा हो सकता है।

देशभर में छाया चायवाला मेयर प्रत्याशी

जीवर्धन चौहान ने दाखिल किया नामांकन

रायगढ़,29 जनवरी 2025(ए)। देशभर में चायवाला मेयर प्रत्याशी जीवर्धन चौहान छाए हुए है, आज उन्होंने नामांकन दाखिल किया। इस दौरान मंत्री ओपी चौधरी ने जीत का दावा करते कहा कि नामांकन का समय, विकास की बुनियाद। आज रायगढ़ में नगर निगम के महापौर और पार्षद प्रत्याशियों की नामांकन रैली में सम्मिलित होकर 29 साल से पार्टी की सेवा कर रहे जीवर्धन चौहान सहित अन्य पार्षद प्रत्याशियों का उत्साहवर्धन किया। जनता जनार्दन और देवतुल्य कार्यकर्ताओं के समर्पण और विश्वास ने इस अभियान को और भी मजबूत बना दिया। इस मौके पर राज्य सभा सदस्य देवेंद्र प्रताप और रायगढ़ सांसद राधेश्याम राठिया सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

सीजीपीएससी घोटाले के आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

रायपुर,29 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित सीजीपीएससी घोटाले में जेल में बंद कारोबारी श्रवण गोयल के पुत्र शशांक गोयल और बहू भूमिका की जमानत याचिका खारिज हो गई है। दरअसल, दोनों की जमानत याचिका पर आज सीबीआई की विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान दोनों पक्षों की ओर से मामले में बहस हुई। सीबीआई ने घोटाले में संलिप्तता का आरोप लगाते हुए जमानत का विरोध किया और प्रकरण के विवेचनाधीन होने का हवाला देते हुए कहा कि जमानत मिलने से जांच और साक्ष्य प्रभावित हो सकते हैं। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद विशेष न्यायाधीश लीलाधर साय यादव ने जमानत याचिका खारिज कर दिया है।

प्रदेश कांग्रेस प्रमुख के क्षेत्र में कांग्रेस को पार्षद पद के लिए नहीं मिला कोई प्रत्याशी

रायपुर,29 जनवरी 2025 (ए)। प्रदेश में इन दिनों नगरीय निकाय चुनाव की तैयारी हो चुकी है दोनों पार्टी अपने प्रत्याशियों को लेकर चुनाव मैदान में उतर चुके हैं। ऐसे में यदि किसी पार्टी को प्रत्याशी नहीं मिलना कितना शर्मनाक बात है। पीसीसी चीफ के क्षेत्र में कांग्रेस को पार्षद के लिए कोई प्रत्याशी नहीं मिला इस वजह से भाजपा का प्रत्याशी निर्विरोध चुन लिया गया है। यह कांग्रेस की पहली हार है। कांग्रेस के लिए शर्मनाक हार का सामना होना ये आश्चर्यजनक किंतु सत्य है। नौबत यहाँ तक आ गई है दीपक बैज के क्षेत्र बस्तर में कांग्रेस को वार्ड पार्षद के लिए अपने प्रत्याशी भी ना मिले भारतीय जनता पार्टी ने अभी ये साबित कर दिया कि प्रदेश के सभी नगर निगम नगरपालिका मैं भारतीय जनता पार्टी की जबरजस्त सफलताओं के साथ जीत का आग़ाज़ हो गया है और लगातार सभी नगर पालिकाओं निगमों में भारतीय जनता पार्टी क़ाबिज़ होने जा रही है वैसे भी केंद्र सरकार और राज्य सरकार के सभी योजनाओं को क्रियावन करने के लिए लगातार राज्य के मुख्यमंत्री और राज्य के मंत्रीगण पूरे प्रदेश में गंभीरता से जनता की समस्याओं को देखते हुए सभी योजनाओं को जल्द से जल्द और अच्छे ढंग से निष्पादन करने हेतु जो कार्य कर रहे थे जिसके कारण पूरे प्रदेश में नगर पालिकाओं नगर निगम में भारतीय जनता पार्टी को बड़ी सफलता मिलने की सम्पूर्ण संभावना है। प्रदेश में विष्णुदेव साय सरकार के सुशासन का ही असर कहें की कांग्रेस कोई प्रत्याशी के लाले पड़ पद गए वह भी प्रदेश कांग्रेस के मुखिया के क्षेत्र में। यह कांग्रेस की नैतिक हार है।

राजधानी में बगावत के बीच कांग्रेस ने एक ही घर में दो लोगों को दी टिकट

पूर्व महापौर की पत्नी अर्जुमन ढेबर को बनाया पार्षद प्रत्याशी

रायपुर,29 जनवरी 2025 (ए)। कांग्रेस में प्रत्याशियों के घोषणा के बाद से लगातार बगावत देखने को मिल रहा है।. पार्टी में विरोध इतना ज्यादा है कि राजधानी रायपुर के 70 में से सिर्फ 66 पार्षदों के नाम की ही घोषणा की गई थी। बाकी 4 नामों को रोक दिया गया था। अब खबर है कि 4 में से 1 नाम फाइनल कर लिया गया है।

मौलाना अब्दुल रऊफ वार्ड से कांग्रेस ने पूर्व महापौर एजाज ढेबर की पत्नी अर्जुमन को अपना उम्मीदवार बनाया है।

वहीं एजाज ढेबर को पं. भगवतीचरण शुक्ल वार्ड क्रमांक 57 से टिकट मिला है। यानी एक ही घर से दो लोगों को टिकट दिया गया है। चर्चा है कि प्रत्याशियों को बकायदा फोन कर इस बात की जानकारी दे गई है कि उन्हें नामांकन दाखिल करना है लेकिन पार्टी की ओर से अभी कोई जानकारी नहीं आई है। नामांकन प्रकिया तो पूरी हो गई है लेकिन शेष 3 सीटों के लिए अभी भी संशय की स्थिति बनी हुई है।

सभी नगर निगम में होगा भाजपा का सम्मेलन

- सीएम साय होंगे सभी सम्मेलनों में शामिल

रायपुर,29 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में होने वाले नगरीय निकाय चुनावों के लिए नामांकन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अब नामांकन पत्र की जांच के बाद प्रत्याशी प्रचार-प्रसार में जुट गए हैं। प्रदेश के सभी 10 नगर निगमों में बीजेपी का सम्मेलन होगा। सम्मेलन में सीएम और मंत्री शामिल होंगे। सम्मेलन में बीजेपी कार्यकर्ताओं के साथ आमजनों को भी जुटाएगी। इसके अलावा जिला स्तर पर भी आम

सभाएँ होंगी। मंत्री, विधायक, संगठन के शीर्ष नेता सभाओं को सम्बोधित करेंगे। इसके जरिए पर प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

3 फरवरी के बाद जारी होगा बीजेपी का घोषणा पत्र

वहीं रायपुर निकाय और त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के लिए 3 फरवरी के बाद बीजेपी का घोषणा पत्र जारी होगा। कल सुझाव के लिए आखरी तारीख है। अब तक ईमेल, व्हाट्सएप से मिले 5 हज़ार से ज्यादा सुझाव मिले हैंघोषणा पत्र के लिए हर वर्ग के लोग सुझाव दे रहे हैं। सड़क, साफ-सफाई, ड्रेनेज, ट्रैफिक, जल आपूर्ति जैसी समस्या दूर करने के सुझाव मिले हैं। इसके अलावा रायपुर शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के भी सुझाव मिले हैं।

बीजेपी को लगा बड़ा झटका

पार्षद प्रत्याशी का नामांकन फार्म चुनाव अधिकारी ने किया रिजेक्ट

रायपुर,29 जनवरी 2025 (ए)। बस कुछ ही दिन बाद छत्तीसगढ़ में निकाय चुनाव होने को है। जिसको लेकर अब भाजपा और कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। वहीं कल नामांकन की अंतिम तारीख थी। जिसके बाद अब आज से किसी भी प्रत्याशियों का नामांकन नहीं लिया जाएगा। अब 30 तारीख को नाम वापसी का आखिरी दिन है। लेकिन इसी बीच दुर्ग नगर निगम वार्ड क्रमांक 13 के बीजेपी प्रत्याशी अजीत कुमार वैद्य को बड़ा झटका लगा है। उनका नामांकन फार्म रिजेक्ट हो गया है।

नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत का अजीबो-गरीब बयान

हम 10 नगर निगम में 6 से ज्यादा नहीं जीतना चाहते

कोरबा,29 जनवरी 2025 (ए)। कोरबा प्रवास पर रहे नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत का बड़ा और अजीबो-गरीब बयान सामने आया है। मीडिया से चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि राज्य में 10 नगर निगम हैं और हम 6 नगर निगम से ज्यादा जीतना नहीं चाहते। उन्होंने आगे कहा कि वास्तविकता तो यह है कि महापौर के हमारे छः मजबूत उम्मीदवार मैदान हैं और हमें पूरा भरोसा है की हम दस में से छः नगर निगम जीत रहे हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)